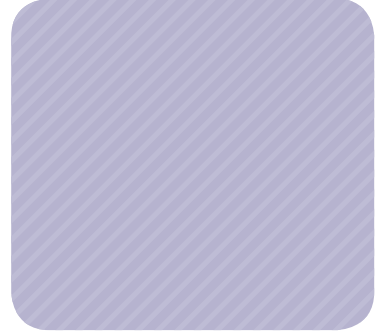


# अपनापन, जीवन जीना, कुछ बनना



ऑस्ट्रेलिया का प्रारंभिक वर्षों  
में सीखने के लिए ढाँचा

ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार के शिक्षा, रोजगार और कार्यस्थल संबंध विभाग द्वारा उत्पादित।

© Commonwealth of Australia 2009

ISBN 978-0-642-77872-7

यह कार्य कॉपीराइट है। कॉपीराइट अधिनियम 1968 के तहत अनुमति दिए गए किसी भी रूप में उपयोग के अलावा, कोई भी भाग राष्ट्रमंडल की पूर्व लिखित अनुमति के बिना किसी भी प्रक्रिया द्वारा पुनरुत्पादित नहीं किया जा सकता है। पुनरुत्पादन और अधिकारों के विषय में अनुरोध और पूछताछ राष्ट्रमंडल कॉपीराइट प्रशासन, अटॉर्नी जनरल विभाग, रॉबर्ट गैरेन कार्यालय, नैशनल सर्किट, बार्टन एसीटी 2600 को संबोधित की जानी चाहिए या <http://www.ag.gov.au/cca> में पोस्ट की जानी चाहिए।

# विषय-सामग्री

परिचय	5
बच्चों के सीखने के लिए एक दृष्टिकोण	7
ढाँचे के तत्व	9
बच्चों की शिक्षा	9
प्रारंभिक बचपन शिक्षाशास्त्र	11
सिद्धांत	12
कार्यप्रथा	14
जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षण के परिणाम	19
परिणाम 1: बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है	20
बच्चे सुरक्षित, महफूज़ और समर्थित महसूस करते हैं	21
बच्चे अपनी उभरती हुई स्वायत्तता, अंतर-निर्भरता, लचीलेपन और एजेंसी की भावना का विकास करते हैं	22
बच्चे जानकार और आत्म-विश्वास से परिपूर्ण पहचान विकसित करते हैं	23
बच्चे अन्य लोगों के संबंध में देखभाल, सहानुभूति और सम्मान के साथ बातचीत करना सीखते हैं	24
परिणाम 2: बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं	25
बच्चे समूहों और समुदायों के साथ अपनेपन की भावना का विकास करते हैं और सक्रिय समुदाय में भागीदारी के लिए आवश्यक पारस्परिक अधिकारों और जिम्मेदारियों की समझ का विकास करते हैं	26
बच्चे विविधता का प्रत्युत्तर सम्मान के साथ देते हैं	27
बच्चे निष्पक्षता के बारे में जागरूक हैं	28
बच्चे सामाजिक रूप से जिम्मेदार हैं और पर्यावरण के लिए सम्मान दिखाते हैं	29
परिणाम 3: बच्चों में कल्याण की एक मजबूत भावना है	30
बच्चे अपने सामाजिक और भावनात्मक कल्याण में सशक्त बनते हैं	31
बच्चे अपने स्वास्थ्य और शारीरिक कल्याण के लिए बढ़ती हुई जिम्मेदारी लेते हैं	32
परिणाम 4: बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं	33
बच्चे सीखने के लिए जिज्ञासा, सहयोग, आत्म-विश्वास, रचनात्मकता, प्रतिबद्धता, उत्साह, दृढ़ता, कल्पना और प्रत्युत्तरशीलता जैसे स्वभावों का विकास करते हैं	34
बच्चे समस्याएं सुलझाने, जाँच करने, प्रयोग करने, अनुमान लगाने, शोध करने और अन्वेषण करने जैसी अनेकानेक प्रकार की कुशलताएं और प्रक्रियाएं विकसित करते हैं	35
बच्चे एक संदर्भ में सीखी गई बातों को दूसरे संदर्भ में हस्तांतरित और अनुकूलित करते हैं	36
लोगों, जगह, प्रौद्योगिकियों और प्राकृतिक व प्रसंस्कृत सामग्री के साथ जोड़ने के माध्यम से बच्चे स्वयं अपने सीखने को संसाधित करते हैं	37

परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं	38
बच्चे कई प्रकार के प्रयोजनों के लिए अन्य लोगों के साथ मौखिक और गैर-मौखिक रूप से बातचीत करते हैं	40
बच्चे कई प्रकार की लिखित सामग्री के साथ संलग्न होते हैं और इस सामग्री से अर्थ प्राप्त करते हैं	41
बच्चे कई प्रकार के मीडिया का उपयोग करके विचारों को व्यक्त करते हैं और अर्थ निकालते हैं	42
बच्चे प्रतीकों और पैटर्न तंत्रों के काम करने के तरीके को समझना शुरू करते हैं	43
बच्चे सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके सूचना तक पहुँच प्राप्त करते हैं, विचारों की जांच करते हैं और अपनी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं	44
पारिभाषिक शब्दावली	45
BIBLIOGRAPHY	47

# परिचय

यह आरंभिक बचपन के शिक्षकों के लिए ऑस्ट्रेलिया का पहला प्रारंभिक वर्षों में सीखने के लिए ढाँचा है। इस दस्तावेज का उद्देश्य जन्म से पांच साल तक और स्कूल में संक्रमण की अवधि में बच्चों की शिक्षा का विस्तार और समृद्धिकरण करना है। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद ने छोटे बच्चों के लिए अपनी क्षमता को अधिकतम करने और शिक्षा में भविष्य की सफलता के लिए एक आधार विकसित करने के अवसरों के लिए शिक्षकों की सहायता हेतु इस ढाँचे को विकसित किया है। इस तरह प्रारंभिक वर्षों में सीखने के लिए ढाँचा (ढाँचा) ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद के इस दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान देगा:

*“सभी बच्चों को खुद के लिए और देश के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने हेतु जीवन में सबसे अच्छी शुरुआत प्राप्त हो।”*

यह ढाँचा इस निर्णायक अंतरराष्ट्रीय प्रमाण पर आधारित है कि प्रारंभिक बचपन बच्चों की शिक्षा और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि होता है। इसे प्रारंभिक बचपन के क्षेत्र से बहुतायत में इनपुट, प्रारंभिक बचपन शिक्षाविदों और ऑस्ट्रेलियाई व राज्य तथा राज्य-क्षेत्र की सरकारों के साथ विकसित किया गया है।

ढाँचा यह सुनिश्चित करने के लिए एक नींव का निर्माण करता है कि बच्चे सभी प्रारंभिक बचपन शिक्षा और देखभाल सेटिंग्स में गुणवत्ता के अध्यापन और शिक्षण का अनुभव कर सकें। इसमें खेल-आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है और यह संचार और भाषा (प्रारंभिक साक्षरता और आँकिक कुशलता सहित) व सामाजिक और भावनात्मक विकास के महत्व को समझता है। इस ढाँचे की अवरचना परिवारों के साथ साझेदारी में प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों के उपयोग के लिए की गई है, जो बच्चों के सबसे पहले और सबसे अधिक प्रभावशाली शिक्षक होते हैं।

इस ढाँचे द्वारा निर्देशित प्रारंभिक बचपन के शिक्षक बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के कन्वेंशन (कन्वेंशन) में दर्शाए गए सिद्धांतों को अपने दैनिक व्यवहार में प्रबल बनाएंगे। कन्वेंशन यह प्रतिपादित करती है कि सभी बच्चों को ऐसी शिक्षा का अधिकार है जो उनके बाकी के जीवन के लिए एक आधार तैयार करती है, उनकी क्षमता को अधिकतम बनाती है, और उनकी पारिवारिक, सांस्कृतिक और अन्य पहचान और भाषा का सम्मान करती है। कन्वेंशन बच्चों के खेलने के अधिकार और अपने जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मामलों में सक्रिय भागीदारी निभाने के अधिकार को मान्यता भी देती है।

यह दस्तावेज व्यक्तिगत राज्य और राज्य-क्षेत्र के फ्रेमवर्कों के अर्धपूरक, संपूरक या प्रतिस्थापक की जगह ले सकता है। बिल्कुल सटीक रिश्ता प्रत्येक क्षेत्राधिकार द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

अधिक मोटे-तौर पर यह ढाँचा युवा ऑस्ट्रेलियावासियों के लिए शिक्षा लक्ष्यों की मेलबर्न घोषणा के लक्ष्य<sup>2</sup> का समर्थन करता है:

*सभी युवा आस्ट्रेलियाई:*

- सफल शिक्षार्थी बनें
- आत्मविश्वास से परिपूर्ण और रचनात्मक व्यक्ति बनें
- सक्रिय और सूचित नागरिक बनें।

## शिक्षक:

बचपन की सेटिंग्स में बच्चों के साथ सीधे काम करने वाले प्रारंभिक बचपन के व्यावसायिक व्यक्ति।

1 Investing in the Early Years - a National Early Childhood Development Strategy, Council of Australian Governments

2 5 दिसंबर 2008 को शिक्षा, रोजगार, प्रशिक्षण एवं युवा मामलों की मंत्री स्तरीय परिषद के रूप में राज्य, राज्य-क्षेत्र और राष्ट्रमंडल के शिक्षा-मंत्रियों की बैठक ने युवा आस्ट्रेलियावासियों के लिए शैक्षणिक लक्ष्यों पर मेलबोर्न घोषणा-पत्र जारी किया।

**बच्चे:**

शिशुओं, छोटे बच्चों और तीन से पांच वर्ष के बच्चों को संदर्भित करता है।

मेलबोर्न घोषणा आदिवासी और टॉरेस जलसन्धि द्वीपवासी युवा लोगों के लिए बेहतर परिणामों और प्रारंभिक बचपन शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए कृतसंकल्प है।

ऑस्ट्रेलियाई सरकारों की परिषद एक दशक<sup>3</sup> के अंदर स्वदेशी और गैर-स्वदेशी आस्ट्रेलियावासियों के बीच शैक्षिक उपलब्धि के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक बचपन शिक्षा इस परिणाम को उपलब्ध कराने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इसकी पहचान करते हुए एक अन्य दस्तावेज़ शिक्षकों को उपलब्ध कराया जाएगा, जोकि आदिवासी और टॉरेस जलसन्धि द्वीपवासी बच्चों और उनके परिवारों के लिए सांस्कृतिक सुरक्षा सुनिश्चित करने पर अतिरिक्त मार्गदर्शन दे सके।

समय के साथ इस ढाँचे के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त संसाधनों को विकसित किया जा सकता है।

**खेल-आधारित शिक्षा:**

सीखने के लिए एक संदर्भ, जिसके माध्यम से बच्चे लोगों, वस्तुओं और प्रतिनिधित्वों के साथ सक्रिय रूप से संलग्न होते समय अपनी सामाजिक दुनिया की समझ बनाते हैं।

---

3 The Council of Australian Governments - Communique - 3 July 2008. *Indigenous Reform - Closing the Gap.*

# बच्चों के सीखने के लिए एक दृष्टिकोण

*सभी बच्चे सीखने का ऐसा अनुभव करते हैं जो संलग्नता और जिंदगी के लिए सफलता बनाता है।*

ढाँचे के लिए बच्चों के जीवन का वह दृश्य महत्वपूर्ण है, जो अपनेपन, जीवन जीने और कुछ बनने की विशेषता रखता है। जन्म से पहले ही बच्चे परिवार, समाज, संस्कृति और स्थान के साथ जुड़े हुए होते हैं। उनका सबसे आरंभिक विकास और शिक्षण इन संबंधों के माध्यम से होता है, विशेष रूप से परिवारों के माध्यम से, जो बच्चों के सबसे पहले और सबसे प्रभावशाली शिक्षक होते हैं। जैसे-जैसे बच्चे रोजमर्रा की जिंदगी में भाग लेते हैं, वे अभिरुचियों और अपनी स्वयं की पहचान और दुनिया की समझ का निर्माण करते हैं।

## अपनापन

अपनेपन का अनुभव - यह जानना कि आप कहाँ और किसके साथ संबद्ध हैं - मानव अस्तित्व का अभिन्न अंग है। बच्चे सबसे पहले परिवार, सांस्कृतिक समूह, आस-पड़ोस और व्यापक समुदाय के साथ संबद्ध होते हैं। अपनापन बच्चों के अन्य लोगों के साथ अन्योन्याश्रय और पहचान को परिभाषित करने के आधार को मान्यता देता है। प्रारंभिक बचपन में, और पूरे जीवन-भर में, संबंध अपनेपन की भावना के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। अपनापन, जीवन जीने और कुछ बनने के लिए केंद्रीय होता है क्योंकि वह इस बात को आकार देता है कि बच्चे क्या हैं और वे क्या बन सकते हैं।

*“आप अपने घर से अपने परिवार के साथ संबद्ध होते हैं” – Dong*

## जीवन जीना

बचपन जीवन जीने का, खोजने का और दुनिया का अर्थ निकालने का समय होता है।

*“अगर आप एक जलपरी बनना चाहते हैं, तो आप कल्पना कर सकते हैं” – Jazmine*

जीवन जीना बच्चों के जीवन में यहाँ और अब के महत्व को मान्यता देता है। यह वर्तमान और खुद को जानने, अन्य लोगों के साथ संबंधों का निर्माण करने और उन्हें बनाए रखने, जीवन की खुशियों और जटिलताओं के साथ संलग्न होने और रोजमर्रा की जिंदगी में चुनौतियों का सामना करने के बारे में है। प्रारंभिक बचपन के वर्ष केवल भविष्य के लिए तैयारी करने के बारे में ही नहीं हैं, परंतु वर्तमान के बारे में भी हैं।

## कुछ बनना

बच्चों की पहचान, ज्ञान, समझ, क्षमता, कौशल और रिश्ते बचपन के दौरान बदलते रहते हैं। वे कई अलग-अलग घटनाओं और परिस्थितियों द्वारा आकार लेते हैं। कुछ बनना छोटे बच्चों के सीखने और तेजी से इस महत्वपूर्ण परिवर्तन की प्रक्रिया को दर्शाता है, जोकि प्रारंभिक वर्षों में बच्चों के बढ़ने के साथ घटित होती है। यह समाज में पूरी तरह से और सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सीखने पर जोर देता है।

*“जब आप पौधों का रोपण करते रहते हैं, तो आप एक माली बन जाते हैं” – Olivia*



### शिक्षण परिणाम:

एक कौशल, ज्ञान या स्वभाव है जिसे बच्चों और परिवारों के साथ सहयोग में शिक्षक सक्रिय रूप से प्रारंभिक बचपन की सेटिंग्स में प्रचारित कर सकते हैं।

### प्रारंभिक बचपन की सेटिंग्स:

पूरे दिन-भर की देखभाल, सामयिक देखभाल, परिवार दिवस-देखभाल, बहु-प्रयोजन आदिवासी बच्चों की सेवा, पूर्व-स्कूल और किंडरगार्टन, प्लेग्रुप्स, क्रेशेज़, शीघ्र हस्तक्षेप सेटिंग्स और इसी तरह की सेवाएं।

यह ढाँचा जन्म से लेकर पांच साल की आयु तक और स्कूल में संक्रमण की अवधि के दौरान सभी बच्चों की शिक्षा के लिए सर्वोच्च अपेक्षाओं को दर्शाता है। यह निम्नलिखित पांच शिक्षण परिणामों के माध्यम से इन आशाओं को संचारित करता है:

- बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है
- बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं
- बच्चों में कल्याण की एक मजबूत भावना है
- बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं
- बच्चे प्रभावी संचारक हैं।

यह ढाँचा प्रारंभिक बचपन की सेटिंग्स में बच्चों की शिक्षा की सुविधा हेतु प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों के लिए एक व्यापक दिशा प्रदान करता है।

यह शिक्षकों को प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स में अपने पाठ्यक्रम के निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन देता है और योजना बनाने, लागू करने और गुणवत्ता का मूल्यांकन करने में सहायता करता है। यह प्रत्येक स्थानीय समुदाय और प्रारंभिक बचपन सेटिंग के लिए अधिक प्रासंगिक विशिष्ट पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन को रेखांकित भी करता है।

यह ढाँचा बातचीत को प्रेरित करने, संचार में सुधार लाने और स्वयं बच्चों, उनके परिवारों, व्यापक समुदाय, प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों और अन्य पेशेवरों के बीच छोटे बच्चों की शिक्षा के लिए एक आम भाषा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।





## ढाँचे के तत्व

ढाँचे के मूल में बच्चों की शिक्षा है और इसमें तीन अंतर-संबंधित तत्व शामिल हैं: सिद्धांत, कार्यप्रथा और शिक्षण के परिणाम (चित्र 1 देखें)।

तीनों तत्व प्रारंभिक बचपन के अध्यापन और पाठ्यक्रम के बारे में निर्णय लेने के लिए मूलभूत हैं।

पाठ्यक्रम में सभी नियोजित और अनियोजित अंतर्व्यवहार, अनुभव, दिनचर्याएं और घटनाएं शामिल हैं, जो बच्चों की शिक्षा और विकास को बढ़ावा देने वाले अवरचित एक वातावरण में घटित होते हैं।

ढाँचे में जोर पाठ्यक्रम के नियोजित या साभिप्राय पहलुओं पर दिया गया है।

बच्चे कई तरह के अनुभव स्वीकार कर सकते हैं। पाठ्यक्रम में क्या शामिल है या क्या बाहर रखा गया है, यह बच्चों के सीखने, विकास और दुनिया की समझ को प्रभावित करता है। यह ढाँचा एक चल रहे चक्र के रूप में पाठ्यक्रम निर्णय लेने के एक मॉडल को समर्थन देता है। इसमें प्रत्येक बच्चे के अपने ज्ञान की गहराई के आधार पर व्यावसायिक व्यक्ति अपने पेशेवर ज्ञान का उपयोग करते हैं।

परिवारों के साथ साझेदारी में कार्य करते हुए शिक्षक बच्चों की शिक्षा हेतु उनकी योजना का मार्गदर्शन करने के लिए शिक्षण परिणामों का उपयोग करते हैं। सीखने में बच्चों को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए शिक्षक बच्चों की शक्तियों और अभिरुचियों की पहचान करते हैं, उपयुक्त शिक्षण रणनीतियां चुनते हैं और सीखने के माहौल की अवरचना करते हैं।

शिक्षक सावधानीपूर्वक सीखने का आकलन करते हैं जिससे कि आगे की योजना को सूचित किया जा सके।

### पाठ्यक्रम:

प्रारंभिक बचपन सेटिंग में पाठ्यक्रम का अर्थ होता है 'बच्चों की शिक्षा और विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए एक वातावरण में नियोजित और अनियोजित सभी संपर्क, अनुभव, गतिविधियाँ, दिनचर्याएं और घटनाएं'। [ते व्हारिकि से अनुकूलित]

### शिक्षाशास्त्र:

प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों की पेशेवर कार्यप्रथा, विशेष रूप से वे पहलू जो संबंधों का निर्माण और पोषण करते हैं तथा पाठ्यक्रम के निर्णय लेने, शिक्षण और सीखने में मदद करते हैं।

## बच्चों की शिक्षा

पारिवारिक जीवन में विविधता का अर्थ होता है कि बच्चे अपनेपन, जीवन जीने और कुछ बनने का कई अलग-अलग तरीकों से अनुभव करते हैं। वे अपने सीखने में अपने विविध अनुभव, दृष्टिकोण, उम्मीदें, ज्ञान और कौशल लाते हैं।

बच्चों की शिक्षा, गतिशील जटिल और समग्र होती है। सीखने के शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक, व्यक्तिगत, आध्यात्मिक, रचनात्मक, संज्ञानात्मक और भाषाई पहलू सभी जटिलता से एक-दूसरे के ताने-बाने में और अंतर्सम्बद्ध होते हैं।

खेल सीखने के लिए एक संदर्भ है जोकि:

- व्यक्तित्व और विशिष्टता की अभिव्यक्ति के लिए अनुमति देता है
- उत्सुकता और रचनात्मकता जैसे रूपों में स्वभाव को बढ़ाता है
- बच्चों को पूर्व-अनुभवों और नया सीखने के बीच संबंध बनाने में सक्षम बनाता है
- रिश्ते और अवधारणाओं को विकसित करने के लिए बच्चे की सहायता करता है
- कल्याण की एक भावना को उत्तेजित करता है।

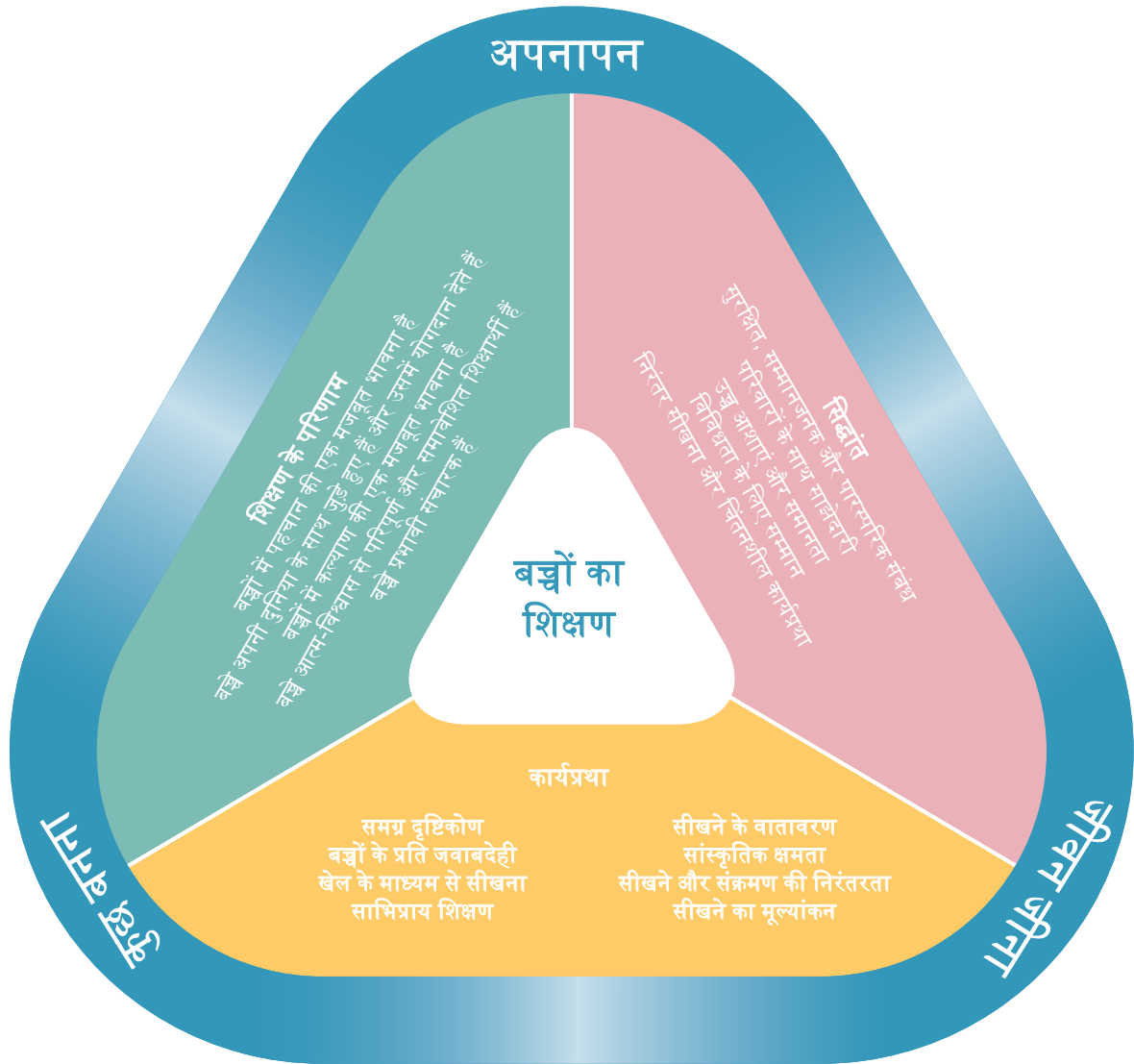
बच्चे सक्रिय रूप से अपनी स्वयं की समझ का निर्माण करते हैं और दूसरों के सीखने के लिए योगदान देते हैं। उनमें अपनी एजेंसी, शुरू करने की क्षमता और सीखने का नेतृत्व करने की क्षमता होती है, और वे अपने शिक्षण सहित उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लेने के लिए अपने अधिकारों की पहचान कर सकते हैं।

सक्रिय भागीदारों और निर्णय निर्माताओं के रूप में बच्चों को देखने से शिक्षकों के लिए संभावनाएं खुल जाती हैं जिससे कि वे ऐसी पूर्व-कल्पित उम्मीदों से परे जा सकते हैं कि बच्चे क्या कर सकते हैं और क्या सीख सकते हैं। इसके लिए शिक्षकों को प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय गुणों और क्षमताओं का सम्मान करने और उनके साथ काम करने की आवश्यकता होती है।

शिक्षकों की प्रथाएं और बच्चों व परिवारों के साथ उनके निर्मित संबंध बच्चों की भागीदारी और सीखने में सफलता पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। जब परिवार और शिक्षक छोटे बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने के लिए साझेदारी में एक साथ काम करते हैं, तो बच्चे पनप सकते हैं।

बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा उनके जीवन के अवसरों को प्रभावित करती है। कल्याण और जुड़ाव, आशावाद और संलग्नता की एक मजबूत भावना से बच्चों को सीखने के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करने में मदद मिलती है।

ढाँचे के शिक्षण परिणाम खंड में बच्चों की शिक्षा और शिक्षक की भूमिका के प्रामाणिक उदाहरण दिए गए हैं।



चित्र 1: प्रारंभिक वर्षों में सीखने के ढाँचे के तत्व

**भागीदारी:**

तीव्र, पूरे मन से मानसिक गतिविधि की एक अवस्था है, जोकि निरंतर एकाग्रता और आंतरिक प्रेरणा से विशेषीकृत होती है। अत्यधिक भागीदारी वाले बच्चे (और वयस्क) अपनी क्षमता की सीमा में कार्य करते हैं, जोकि प्रत्युत्तर देने और सीखने के गहरे स्तर की समझ के बदलते हुए तरीकों के प्रति अग्रसर करता है। (लैवर्स 1994 से अनुकूलित)

**स्वभाव:**

मन और कार्रवाई की स्थायी आदतें, और परिस्थितियों के लिए विशिष्ट तरीके से प्रतिक्रिया करने की प्रवृत्तियाँ, उदाहरण के लिए, एक आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखना, सुदृढ़ बने रहना, आत्म-विश्वास के साथ नए अनुभवों का सामना करना। (कैर, 2001)

# प्रारंभिक बचपन शिक्षाशास्त्र

शिक्षाशास्त्र शब्द प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों के व्यावसायिक कार्यप्रथा के समग्र पहलू (विशेषरूप से वे पहलू जिनमें संबंधों का निर्माण और पोषण शामिल है), पाठ्यक्रम के बारे में निर्णय लेने, शिक्षण और सीखने की समग्र प्रकृति को दर्शाता है। जब शिक्षक बच्चों और परिवारों के साथ सम्मानजनक और देखभाल संबंध स्थापित करते हैं, तो वे स्थानीय संदर्भ में पाठ्यक्रम और अपने बच्चों के लिए प्रासंगिक सीखने के अनुभव का एक-साथ निर्माण करने में सक्षम हो पाते हैं। ये अनुभव धीरे-धीरे बच्चों के ज्ञान और दुनिया की समझ का विस्तार करते हैं।

शिक्षकों के पेशेवर निर्णय बच्चों के सीखने की सुविधा में उनकी सक्रिय भूमिका के लिए केंद्रीय हैं। पेशेवर निर्णय लेते समय वे निम्नलिखित को एक-साथ लाते हैं:

- पेशेवर ज्ञान और कौशल
- बच्चों, परिवारों और समुदायों का ज्ञान
- उनके विश्वास और मूल्य बच्चों की शिक्षा पर कैसे प्रभाव डालते हैं, इसके बारे में जागरूकता
- व्यक्तिगत शैलियाँ और अतीत के अनुभव।

वे अपनी रचनात्मकता, अंतर्ज्ञान और कल्पना का भी उपयोग करते हैं, जिससे कि उन्हें समय, स्थान और सीखने के संदर्भ के प्रति अपनी कार्यप्रथा का सुधार और समायोजन करने में मदद मिल सके।

प्रारंभिक बचपन के बारे में अलग-अलग सिद्धांत बच्चों की शिक्षा और विकास के दृष्टिकोण को सूचित करते हैं। प्रारंभिक बचपन के शिक्षक कई प्रकार के दृष्टिकोणों का उपयोग करते हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

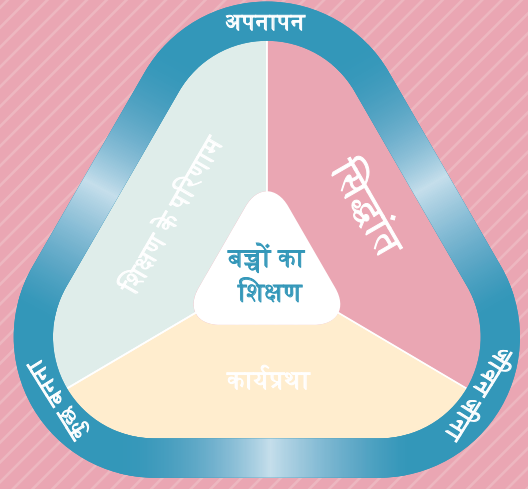
- समय के साथ बच्चों की शिक्षा और विकास में परिवर्तन की प्रक्रियाओं का वर्णन करने और समझने पर ध्यान केंद्रित करने वाले विकास के सिद्धांत

- परिवार और सांस्कृतिक समूहों के बच्चों की शिक्षा और सम्मानजनक रिश्तों के महत्व में केंद्रीय भूमिका तथा सीखने और विकास के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने पर जोर देने वाले सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत
- बच्चों के व्यवहार को आकार देने में अनुभवों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने वाले सामाजिक-व्यवहारवादी सिद्धांत
- पाठ्यक्रम के बारे में मान्यताओं को चुनौती देने के लिए प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों को आमंत्रित करने वाले, और उनके फैसले कैसे अलग-अलग ढंग से बच्चों को प्रभावित कर सकते हैं, इसपर विचार करने वाले महत्वपूर्ण सिद्धांत
- प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स में प्रबलता, समानता और सामाजिक न्याय के मुद्दों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने वाले पार्श्व-संरचनात्मक सिद्धांत।

अनेकानेक दृष्टिकोणों और सिद्धांतों का आधार लेने पर बच्चों, शिक्षण और सीखने को देखने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती दी जा सकती है, और शिक्षकों को व्यक्तियों के रूप में और उनके सहयोगियों के साथ निम्नलिखित के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है:

- वे किस तरीके से कार्य करते हैं, इसकी जांच करना
- शक्तियों और सीमाओं की पहचान करने के लिए सिद्धांतों पर चर्चा और बहस करना
- इस बात की पहचान करना कि वे अपने काम की समझ बनाने के लिए जिन सिद्धांतों और विश्वासों का उपयोग करते हैं, वे उनके कार्यों और विचारों को न केवल सक्षम बल्कि सीमित भी बनाते हैं
- बच्चों के अनुभवों के लिए अपने कार्यों के परिणामों पर विचार करना
- निष्पक्ष और उचित रूप में काम करने के नए तरीकों की खोज करना।

# सिद्धांत



बच्चों की शिक्षा और प्रारंभिक बाल्यकाल शिक्षाशास्त्र से संबंधित समकालीन सिद्धांतों और अनुसंधान के साक्ष्य निम्न पाँच सिद्धांतों में प्रतिबिंबित होते हैं।

ये सिद्धांत सीखने के परिणामों के संबंध में प्रगति करने के लिए सभी बच्चों की सहायता करने पर ध्यान केंद्रित करने वाली कार्यप्रथा के आधार में हैं।

## 1. सुरक्षित, सम्मानजनक और पारस्परिक संबंध

बच्चों के विचारों और भावनाओं के अभ्यस्त शिक्षक कल्याण की एक मजबूत भावना के विकास का समर्थन करते हैं। वे छोटे बच्चे के सीखने में उसके साथ सकारात्मक रूप से व्यवहार करते हैं।

अनुसंधान दर्शाता है कि बच्चे कमजोर और सक्षम, दोनों होते हैं। अपने परिवारों के अंदर और अन्य भरोसेमंद रिश्तों में शिशुओं के सबसे पहले लगाव उनके अन्वेषण और अध्ययन के लिए एक सुरक्षित आधार प्रदान करते हैं।

सुरक्षित रिश्तों के एक विस्तृत होते हुए ताने-बाने के माध्यम से बच्चे आत्म-विश्वास का विकास करते हैं और सम्मानित और महत्वपूर्ण महसूस करते हैं। वे दूसरों की भावनाओं की पहचान और सम्मान और उनके साथ सकारात्मक व्यवहार करने के लिए शीघ्रता से सक्षम हो जाते हैं।

बच्चों को रिश्तों का पोषण और लगातार भावनात्मक समर्थन प्रदान करने को प्राथमिकता देने वाले शिक्षक बच्चों की उन कुशलताओं और समझ को विकसित करने के लिए उनकी सहायता कर सकते हैं जिसकी आवश्यकता उन्हें दूसरों के साथ सकारात्मक व्यवहार करने के लिए होती है। वे शिक्षार्थियों के रूप में दूसरों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में जानने के लिए, संयुक्तता और अन्योन्याश्रय की सराहना करने में तथा सहयोग और टीमवर्क को मूल्य देने में बच्चों की सहायता करते हैं।

## 2. साझेदारियाँ

सीखने के परिणामों को हासिल करने की संभावना तब सबसे अधिक होती है, जब प्रारंभिक बचपन के शिक्षक परिवारों के साथ साझेदारी में काम करते हैं। शिक्षक यह

समझते हैं कि परिवार बच्चों के पहले और सबसे प्रभावशाली शिक्षक होते हैं। वे एक ऐसा स्वागतमय वातावरण पैदा करते हैं जहाँ सभी बच्चों और परिवारों का सम्मान किया जाता है और उन्हें पाठ्यक्रम के फैसलों के बारे में शिक्षकों के साथ सहयोग करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहन दिया जाता है, जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीखने के अनुभव सार्थक बन सकें।

साझेदारियाँ एक दूसरे की उम्मीदों और व्यवहार को समझने की नींव पर आधारित होती हैं, और एक-दूसरे के ज्ञान के बल पर निर्मित होती हैं।

वास्तविक साझेदारियों में परिवार और प्रारंभिक बचपन के शिक्षक:

- प्रत्येक बच्चे के बारे में एक-दूसरे के ज्ञान को मूल्य देते हैं
- प्रत्येक बच्चे के जीवन में एक-दूसरे के योगदान और भूमिका को मूल्य देते हैं
- एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं
- एक-दूसरे के साथ स्वतंत्र रूप से और सम्मान के साथ संवाद करते हैं
- प्रत्येक बच्चे के बारे में अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण को साझा करते हैं
- निर्णय लेने की साझा प्रक्रिया में संलग्न होते हैं।

साझेदारियों में शिक्षक, परिवार और समर्थन पेशेवर भी शामिल होते हैं जोकि रोज़मर्रा की घटनाओं, दिनचर्याओं व खेलों में सीखने की क्षमता का अन्वेषण करने के लिए एक-दूसरे के साथ काम करते हैं। इससे अतिरिक्त ज़रूरतों वाले बच्चों को घर में और प्रारंभिक बचपन या विशेषज्ञ सेटिंग्स में इन अनुभवों में सक्रिय भागीदारी और संलग्नता के माध्यम से सीखने के लिए दैनिक अवसर मिल पाते हैं।

## 3. उच्च आशाएं और समानता

समानता के लिए प्रतिबद्ध प्रारंभिक बचपन के शिक्षक विभिन्न परिस्थितियों और क्षमताओं की परवाह किए बिना, सभी बच्चों की सफल होने की क्षमताओं में विश्वास करते हैं। जब बच्चे, उनके माता-पिता और शिक्षक सीखने में उनकी उपलब्धि के लिए उच्च आशाएं रखते हैं, तब बच्चे अच्छी तरह से प्रगति कर पाते हैं।

शिक्षक बच्चों की शैक्षिक सफलता में आने वाली बाधाओं को समझते हैं और उनका प्रत्युत्तर देते हैं। प्रत्युत्तर में वे असमानताओं को योगदान देने वाली प्रथाओं को चुनौती देते हैं और ऐसे पाठ्यक्रम निर्णय लेते हैं जो सभी बच्चों के समावेशन और भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। अपने पेशेवर ज्ञान और कौशल को विकसित करके, और बच्चों, परिवारों, समुदायों, अन्य सेवाओं और एजेंसियों के साथ साझेदारी में काम करके, वे लगातार न्यायसंगत और प्रभावी तरीके खोजने के लिए प्रयास करते हैं जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बच्चों को सीखने के परिणाम प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

#### 4. विविधता के लिए सम्मान

जीवन जीने, अस्तित्व बनाए रखने और जानने के कई तरीके होते हैं। बच्चे एक संस्कृति से संबंधित होते हुए जन्म लेते हैं, जोकि न केवल पारंपरिक प्रथाओं, विरासत और पैतृक ज्ञान से प्रभावित होता है, लेकिन अनुभवों, मूल्यों और व्यक्तिगत परिवारों और समुदायों की मान्यताओं से भी प्रभावित होता है। विविधता का सम्मान करने का अर्थ है कि पाठ्यक्रम के अंदर परिवारों की प्रथाओं, मूल्यों और मान्यताओं को मूल्य दिया जाए और उन्हें प्रतिबिंबित किया जाए। शिक्षक इतिहास, संस्कृति, भाषा, परंपराओं, बच्चों की पालन-प्रथाओं और परिवारों के जीवन-शैली विकल्पों का सम्मान करते हैं। वे बच्चों की विभिन्न क्षमताओं और काबिलियतों को मूल्य देते हैं और परिवारों के गृह-जीवन में विभिन्नताओं को महत्व देते हैं।

शिक्षक इस बात की पहचान करते हैं कि विविधता हमारे समाज की समृद्धि में योगदान देती है और जानने के तरीकों के बारे में एक वैध प्रमाण का आधार प्रदान करती है। ऑस्ट्रेलिया के लिए इसमें आदिवासी और टोरेस जलसन्धि द्वीपवासियों के तरीके की बेहतर समझ को बढ़ावा देना भी शामिल है।

जब प्रारंभिक बचपन के शिक्षक परिवारों और समुदायों की विविधता व बच्चों के लिए अपनी आकांक्षाओं का सम्मान करते हैं, तो वे बच्चों की सक्षम शिक्षार्थियों के रूप में स्वयं की अपनी भावना को जानने और सुदृढ़ करने की प्रेरणा का प्रोत्साहन करने में सक्षम होते हैं। वे ऐसे पाठ्यक्रम निर्णय लेते हैं, जो सभी बच्चों के अपनी संस्कृति, पहचान, योग्यता और प्रबलताओं को स्वीकार किए जाने और उनको मूल्य दिए जाने के अधिकार को बनाए रखते हैं, और बच्चों और परिवारों के जीवन की जटिलता का प्रत्युत्तर देते हैं।

शिक्षक विविधता से पैदा होने वाले अवसरों और दुविधाओं के बारे में गंभीरता से सोचते हैं और अन्याय का निवारण करने के लिए कार्रवाई करते हैं। वे समानताओं और अंतर और परस्पर निर्भरता और कैसे हम एक साथ जीना सीख सकते हैं, इसके बारे में जानने के लिए अवसर प्रदान करते हैं।

#### 5. निरंतर सीखना और चिंतनशील कार्यप्रथा

शिक्षक लगातार अपने पेशेवर ज्ञान का निर्माण करने और सीखने वाले समुदायों को विकसित करने के तरीकों की तलाश करते रहते हैं। वे बच्चों, परिवार और समुदाय के साथ सह-शिक्षार्थी बन जाते हैं और आदिवासी और टोरेस जलसन्धि द्वीपवासी के वयोवृद्ध लोगों सहित समुदाय के अन्य सदस्यों द्वारा स्थानीय ज्ञान की निरंतरता और समृद्धि को साझा करते हैं

चिंतनशील कार्यप्रथा दर्शन, नैतिकता और व्यवहार के सवालों के साथ संलग्नता सहित निरंतर सीखने का एक स्वरूप है। इसका उद्देश्य समर्थन, सूचना और बच्चों की शिक्षा के बारे में निर्णय लेने की समृद्ध जानकारी और अंतर्दृष्टि का लाभ एकत्र करना है। पेशेवरों के रूप में प्रारंभिक बचपन के शिक्षक इस बात की जांच करते हैं कि उनकी सेटिंग में क्या होता है और इस बात को प्रतिबिंबित करते हैं कि वे क्या बदल सकते हैं।

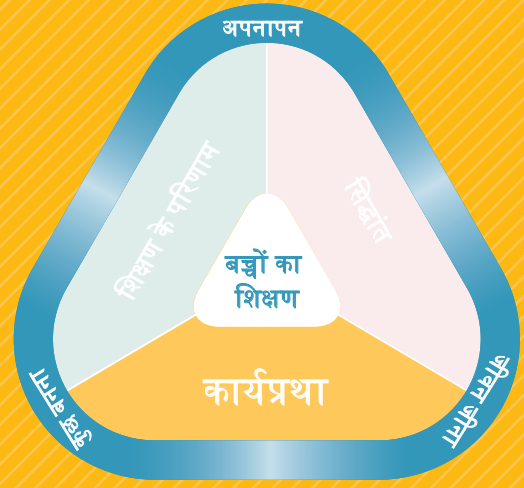
महत्वपूर्ण चिंतन में बारीकी से अलग-अलग दृष्टिकोणों से घटनाओं और अनुभवों के सभी पहलुओं की जांच करना शामिल होता है। शिक्षक अक्सर व्यापक सवालों के एक समुच्चय के अंदर अपनी चिंतनशील कार्यप्रथा को देखते हैं और जांच के विशेष क्षेत्रों में और अधिक विशिष्ट प्रश्नों का विकास करते हैं।

प्रतिबिंब के लिए मार्गदर्शन करने के व्यापक प्रश्नों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्येक बच्चे के लिए मेरी समझ क्या है?
- कौन से सिद्धांत, दर्शन और समझ मेरे काम को आकार और सहायता देते हैं?
- जब मैं इस तरह से काम करता हूँ, तो किसे लाभ प्राप्त होता है? कौन वंचित रहता है?
- अपने काम के बारे में मेरे क्या प्रश्न हैं? मुझे किन प्रश्नों द्वारा चुनौती मिलती है? मैं किसके बारे में उत्सुक रहता हूँ? मुझे किसका सामना करना पड़ता है?
- क्या कोई ऐसे सिद्धांत या ज्ञान भी है जो मुझे मेरे द्वारा देखी गई या अनुभव की गई चीजों को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकते हैं? वे क्या हैं? वे सिद्धांत और ज्ञान मेरी कार्य-पद्धति को कैसे प्रभावित कर सकते हैं?

जब प्रारंभिक बचपन के शिक्षक और जिनके साथ वे काम करते हैं, वे व्यक्ति/बच्चे समीक्षा के एक ऐसे सतत चक्र में शामिल रहते हैं जिसके माध्यम से मौजूदा तरीकों की जांच की जाती है, परिणामों की समीक्षा की जाती है और नए विचारों को उत्पन्न किया जाता है, तब जांच की एक जीवंत संस्कृति की स्थापना होती है। ऐसे माहौल में पाठ्यक्रम की गुणवत्ता, समानता और बच्चों के कल्याण से संबंधित मुद्दों को उठाया जा सकता है और उनपर बहस की जा सकती है।

# कार्यप्रथा



प्रारंभिक बचपन शिक्षाशास्त्र के सिद्धांत कार्यप्रथा को रेखांकित करते हैं। शिक्षक निम्नलिखित के माध्यम से बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समृद्ध शैक्षणिक प्रथाओं के प्रदर्शन का आधार लेते हैं:

- समग्र दृष्टिकोण अपनापन
- बच्चों के प्रति उत्तरदायी रहना
- खेल के माध्यम से सीखने की योजना बनाना और उसे लागू करना
- साभिप्राय शिक्षण
- बच्चों की शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले सीखने के शारीरिक और सामाजिक वातावरण बनाना
- बच्चों और उनके परिवारों के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों को मूल्य देना
- अनुभवों में निरंतरता प्रदान करने और बच्चों को सफल संक्रमण करने में सक्षम बनाने के लिए उपलब्धता देना
- प्रावधान सूचित करने के लिए बच्चों के शिक्षण का आकलन और निगरानी करना, और बच्चों को सीखने के परिणाम प्राप्त करने में समर्थन देना।

## समग्र दृष्टिकोण

शिक्षण और सीखने के लिए समग्र दृष्टिकोण मन, शरीर और आत्मा<sup>4</sup> की संयुक्तता को मान्यता देते हैं। जब प्रारंभिक बचपन के शिक्षक एक समग्र दृष्टिकोण रखते हैं, तब वे बच्चों के शारीरिक, व्यक्तिगत, सामाजिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण के सीखने के संज्ञानात्मक पहलुओं पर ध्यान देते हैं। शिक्षक शिक्षण के एक विशेष परिणाम या घटक पर ध्यान देने की योजना बना सकते हैं या इसका आकलन कर सकते हैं, परंतु वे बच्चों की शिक्षा को एकीकृत और परस्पर रूप में देखते हैं। वे बच्चों, परिवारों और समुदायों के बीच पारस्परिक संबंधों और सीखने के लिए

साझेदारी के महत्व के बीच जुड़ाव को पहचानते हैं। वे सीखने को एक सामाजिक गतिविधि के रूप में देखते हैं और सहयोगी शिक्षण और समुदाय में भागीदारी को मूल्य देते हैं। शिक्षण और सीखने के लिए एक एकीकृत, समग्र दृष्टिकोण प्राकृतिक दुनिया के साथ संलग्नता पर भी ध्यान केंद्रित करता है। शिक्षक बच्चों की प्राकृतिक वातावरण और लोगों, पौधों, जानवरों और भूमि के बीच अन्योन्याश्रयता को समझने और इसका सम्मान करने की क्षमता को भी विकसित करते हैं।

## बच्चों के प्रति प्रत्युत्तरशीलता

शिक्षक सभी बच्चों की प्रबलताओं, क्षमताओं और अभिरुचियों के प्रति प्रत्युत्तरशील होते हैं। वे बच्चों की प्रबलताओं, कुशलताओं और ज्ञान पर निर्माण करते हैं, जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सीखने के लिए अपनी प्रेरणा और संलग्नता बनाए रखें। वे बच्चों की विशेषज्ञता, सांस्कृतिक परंपराओं और जानने के तरीकों, कुछ बच्चों द्वारा कई भाषाओं का प्रयोग करने, विशेष रूप से आदिवासी और टॉरेस जलसन्धि द्वीपवासी बच्चों के द्वारा, और अपना रोजमर्रा का जीवन-यापन करने के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं वाले बच्चों के द्वारा प्रयोग की गई रणनीतियों का प्रत्युत्तर देते हैं।

### समर्थन

शिक्षकों के निर्णय और कार्य-कलाप, जोकि बच्चों के मौजूदा ज्ञान और उनके सीखने को बढ़ावा देने की कुशलताओं पर निर्माण करते हैं।

4 Siraj-Blatchford, I., & Sylva, K. (2004). Researching pedagogy in English pre-schools. *British Educational Research Journal*, 30(5), 712-730.



शिक्षक बच्चों के विचारों और खेल के प्रति भी प्रत्युत्तरशील होते हैं, जोकि पाठ्यक्रम निर्णय लेने के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बनाता है। बच्चों के उभरते हुए विचारों और अभिरुचियों के प्रत्युत्तर में शिक्षक खुले प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की शिक्षा का आकलन करते हैं, इसके लिए आशा रखते हैं और इसका विस्तार करते हैं, और साथ ही फीडबैक प्रदान करते हैं, उनकी सोच को चुनौती देते हैं और उनके सीखने को मार्गदर्शन देते हैं। वे बच्चों के सीखने को सहारा देने के लिए अनियोजित 'शिक्षण क्षणों' का उपयोग भी करते हैं।

प्रत्युत्तरशील तरीके से सीखना संबंधों को मजबूत करता है जब शिक्षक और बच्चे एक साथ सीखते हैं, निर्णयों को साझा करते हैं, व सम्मान और विश्वास करते हैं। प्रत्युत्तरशीलता शिक्षकों को बच्चों के खेल और चल रही परियोजनाओं में प्रवेश करने, उनकी सोच को प्रोत्साहित करने और उनके सीखने को समृद्ध बनाने में सक्षम बनाती है।

## खेल के माध्यम से सीखना

खेल बच्चों को पता लगाने, सृजन करने, सुधार करने और कल्पना करने के लिए अवसर प्रदान करता है। जब बच्चे अन्य बच्चों के साथ खेलते हैं, तो वे सामाजिक समूह बनाते हैं, विचारों का परीक्षण करते हैं, एक-दूसरे की सोच को चुनौती देते हैं और नई समझ का निर्माण करते हैं। खेल एक सहायक वातावरण प्रदान करता है, जहां बच्चे सवाल पूछने, समस्याओं को सुलझाने और महत्वपूर्ण सोच में संलग्न हो सकते हैं। खेल बच्चों की सोच का विस्तार कर सकता है और उनके पता करने और जानने की इच्छा को बढ़ावा दे सकता है। इन तरीकों से खेल सीखने की दिशा में सकारात्मक स्वभाव को प्रोत्साहित कर सकता है। बच्चों का खेल में अभिरुचि लेना यह प्रदर्शित करता है कि खेलना उन्हें *जीवन जीने* का आनंद लेने में कैसे सक्षम बनाता है।

प्रारंभिक बचपन के शिक्षक बच्चों के साथ खेलने में कई भूमिकाएं लेते हैं और सीखने का समर्थन करने के लिए अनेकानेक रणनीतियों का उपयोग करते हैं। वे अपनी सोच का विस्तार करने के लिए बच्चों के साथ निरंतर साझा बातचीत में संलग्न होते हैं। वे बच्चे के नेतृत्व, बच्चे की पहल

### साभिप्राय शिक्षण:

में शिक्षक अपने निर्णयों और कार्य-कलापों में अभिप्राय-सहित, उद्देश्यपूर्ण और विचारशील होते हैं। साभिप्राय शिक्षण रटने के विपरीत है या परंपराओं के साथ जारी रखने के विपरीत है, क्योंकि पहले से 'हमेशा' ऐसे ही किया जाता रहा है।

और शिक्षक द्वारा समर्थित सीखने के बीच एक संतुलन प्रदान करते हैं। वे सीखने के ऐसे वातावरण पैदा करते हैं, जो बच्चों को तलाश करने, समस्याओं का समाधान करने, सृजन करने और निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। शिक्षक लगाव का निर्माण करने के लिए शिशुओं और बच्चों के साथ संलग्न होते हैं। वे ऐसा करने के लिए चर्चाओं और खेल के अनुभवों का प्रयोग करते हैं। वे अनियोजित शिक्षणीय क्षणों की पहचान भी करते हैं, जब भी वे घटित होते हैं, और बच्चों की शिक्षा पर निर्माण करने के लिए उन्हें इस्तेमाल करते हैं। प्रारंभिक बचपन के शिक्षक दूसरों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने हेतु प्रोत्साहन देने और उनका प्रारूप बनाने के लिए युवा बच्चों के साथ काम करते हैं। वे सक्रिय रूप से खेल में सभी बच्चों को शामिल किए जाने का समर्थन करते हैं, जब खेल निष्पक्ष न हो तो इसकी पहचान करने के लिए एक देखभाल-पूरक, निष्पक्ष और समावेशी शिक्षण समुदाय का निर्माण करने के लिए रचनात्मक तरीके प्रदान करने में मदद करते हैं।

## साभिप्राय शिक्षण

साभिप्राय शिक्षण अभिप्रायपूर्ण, उद्देश्यपूर्ण और विचारशील होता है।

साभिप्राय शिक्षण में संलग्न शिक्षक यह समझते हैं कि शिक्षा सामाजिक संदर्भों में होती है और परस्पर व्यवहार और बातचीत सीखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है। वे सक्रिय रूप से उच्च स्तर की सोच कुशलताओं को बढ़ावा देने वाले सार्थक और चुनौतीपूर्ण अनुभवों और बातचीत के माध्यम से बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। वे बच्चों की सोच और शिक्षण का विस्तार करने के लिए प्रारूप बनाने व प्रदर्शन करने, खुले रूप से प्रश्न पूछने, अटकलें लगाने, समझाने, साझी सोच में संलग्न होने और समस्याएं सुलझाने को रणनीति के रूप में इस्तेमाल करते हैं। शिक्षक विभिन्न भूमिकाओं के अंदर और बाहर लचीले ढंग से आते-जाते हैं और संदर्भ में परिवर्तन के साथ विभिन्न रणनीतियों को आधार बनाते हैं। वे साभिप्राय शिक्षण और ज्ञान के निर्माण के लिए अवसरों की योजना बनाते हैं। वे बच्चों की शिक्षा का प्रलेखन और निगरानी करते हैं।

## सीखने के वातावरण

सीखने के वातावरण स्वागत करने वाले स्थान होते हैं, जब वे सेटिंग में भाग लेने वाले बच्चों और परिवारों के जीवन और पहचानों को प्रतिबिंबित और समृद्ध करते हैं और उनकी अभिरुचियों और ज़रूरतों का प्रत्युत्तर देते हैं। सीखने का समर्थन करने वाले वातावरण जीवंत और लचीले स्थान होते हैं, जो प्रत्येक बच्चे के हितों और क्षमताओं के लिए प्रत्युत्तरशील होते हैं। वे सीखने की विभिन्न क्षमताओं और शैलियों के लिए उपलब्धता बनाते हैं और विचारों, अभिरुचियों और सवालों का योगदान करने के लिए बच्चों और परिवारों को आमंत्रित करते हैं।

5 Siraj-Blatchford, I., & Sylva, K. (2004). Researching pedagogy in English pre-schools. *British Educational Research Journal*, 30(5), 712-730.

सीखने के लिए घर के बाहर के स्थान ऑस्ट्रेलियाई शिक्षण वातावरण की एक विशेषता हैं। वे अनेक प्रकार की ऐसी संभावनाएं उपलब्ध कराते हैं, जो घर के अंदर उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरणों में खेलने के स्थानों में पौधे, पेड़, खाद्य-उद्यान, रेत, पत्थर, मिट्टी, पानी और प्रकृति के अन्य तत्व शामिल हैं। ये स्थान खुली बातचीत, सहजता, जोखिम, अन्वेषण, खोज और प्रकृति से संबंधों को आमंत्रित करते हैं। वे प्राकृतिक वातावरण की सराहना को बढ़ावा देते हैं, पर्यावरण के प्रति जागरुकता विकसित करते हैं और चल रही पर्यावरण शिक्षा के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

आंतरिक और बाहरी वातावरण बच्चों की शिक्षा के सभी पहलुओं का समर्थन करते हैं और बच्चों, प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों, परिवारों और व्यापक समुदाय के बीच बातचीत को आमंत्रित करते हैं। वे निरंतर साझा सोच और सहयोगी शिक्षण के लिए अवसरों को बढ़ावा देते हैं।

जब सामग्री प्राकृतिक और परिचित चीजों को प्रतिबिंबित करती है, तो वह सीखने में वृद्धि करती है और अभिरुचि व अधिक जटिल और बढ़ती हुई अमूर्त सोच को बढ़ावा देने के लिए नवीनता उपलब्ध कराती है। उदाहरण के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकी से बच्चों को वैश्विक जुड़ावों और संसाधनों का उपयोग करने के लिए सक्षमता मिलती है, और यह सोच के नए तरीकों को प्रोत्साहित भी कर सकती है। वातावरण और संसाधन एक टिकाऊ भविष्य के लिए हमारी जिम्मेदारियों को उजागर कर सकते हैं और पर्यावरण की देखभाल करने के लिए बच्चों को अपनी जिम्मेदारी के बारे में समझ बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन भी दे सकते हैं। वे प्राकृतिक दुनिया के बारे में आशा, आश्चर्य और ज्ञान को बढ़ावा दे सकते हैं।

शिक्षक बच्चों और परिवारों को सीखने के वातावरण के लिए विचारों, अभिरुचियों और सवालों का योगदान देने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। वे सार्थक बातचीत के लिए समय की अनुमति देकर, व्यक्तिगत और साझा अनुभवों के लिए अनेकानेक अवसर प्रदान कर, तथा बच्चों के लिए अपने स्थानीय समुदाय में जाने और इसमें योगदान करने के लिए अवसरों की खोज कर के संलग्नता को समर्थन दे सकते हैं।

## सांस्कृतिक क्षमता

जिन शिक्षकों में सांस्कृतिक क्षमता होती है, वे जानने, देखने और जीवन जीने के लिए बहुत से सांस्कृतिक तरीकों का सम्मान करते हैं, विविधता के लाभों से खुश रहते हैं और उनमें अंतर को समझने और इसका सम्मान करने की क्षमता होती है। यह हर रोज की कार्यप्रथा में स्पष्ट होता है जब शिक्षक परिवारों और समुदायों के साथ एक दो-तरफा प्रक्रिया से अपनी स्वयं की सांस्कृतिक क्षमता विकसित करने के लिए एक अनवरत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं।

शिक्षक संस्कृति और परिवार के संदर्भ को बच्चों की जीवन जीने और अपनेपन की भावना के और आजीवन सीखने में सफलता के केंद्र के रूप में देखते हैं। शिक्षक बच्चों की सांस्कृतिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयत्न करते हैं।

सांस्कृतिक क्षमता सांस्कृतिक मतभेदों के बारे में जागरुकता से कहीं अधिक बढ़कर होती है। यह विभिन्न संस्कृतियों के आर-पार लोगों को समझने, उनके साथ संवाद करने, और प्रभावी रूप से उनके साथ बातचीत करने की क्षमता है। सांस्कृतिक क्षमता में निम्नलिखित शामिल हैं:

- संसार के प्रति अपने स्वयं के दृष्टिकोण के बारे में जागरुक होना
- सांस्कृतिक मतभेदों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोणों का विकास करना
- विभिन्न सांस्कृतिक प्रथाओं और संसार के दृष्टिकोणों का ज्ञान प्राप्त करना
- विभिन्न संस्कृतियों के आर-पार संचार और परस्पर व्यवहार की कुशलताओं का विकास करना।

## सीखने और बदलाव की निरंतरता

बच्चे जीवन जीने, अपनेपन और कुछ बनने के लिए अपनी प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स में परिवार और समुदाय के तरीके लाते हैं। इन अनुभवों पर निर्माण करके शिक्षक सभी बच्चों को सुरक्षित, आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और शामिल महसूस करने में मदद देते हैं और कैसे जीवन जीना है व कैसे सीखना है, इसके लिए निरंतरता का अनुभव करने में मदद करते हैं। सेटिंग्स के बीच संक्रमण, जिनमें घर से प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स में संक्रमण करना शामिल है, और प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स से स्कूल में संक्रमण अवसर और चुनौतियाँ सामने रखते हैं। विभिन्न स्थानों और जगहों के अपने स्वयं के प्रयोजन, आशाएं और काम करने के तरीके होते हैं। बच्चों के पूर्व और वर्तमान अनुभवों पर निर्माण करना उन्हें सुरक्षित, आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और परिचित लोगों, स्थानों, घटनाओं और समझ से जुड़ा हुआ महसूस करते में मदद देता है। बच्चे, परिवार और प्रारंभिक बचपन के शिक्षक, सभी सेटिंग्स के बीच सफल संक्रमण में योगदान देते हैं।

परिवारों के साथ साझेदारी में प्रारंभिक बचपन के शिक्षक बदलाव के लिए तैयार करने में बच्चों की एक सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करते हैं। वे जिस सेटिंग्स में जा रहे हैं, उसकी परंपराओं, दिनचर्याओं और कार्यप्रथाओं को समझने में और परिवर्तन की प्रक्रिया के साथ सहज महसूस करने में बच्चों की सहायता करते हैं।

प्रारंभिक बचपन के शिक्षक बच्चों को उनकी स्थिति या पहचान में बदलाव के लिए सामंजस्य करने में भी मदद करते हैं, खासकर जब वे पूर्णकालिक स्कूल शुरू करते हैं। जब बच्चे प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स से नई सेटिंग्स (स्कूल सहित) में संक्रमण करते हैं, तब प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स और स्कूलों के शिक्षक प्रत्येक बच्चे के ज्ञान और कौशल के बारे में जानकारी साझा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं, जिससे कि सीखने का निर्माण पहले के शिक्षण की नींव पर किया जा सके। शिक्षक प्रत्येक बच्चे के नए शिक्षक और अन्य पेशेवरों के साथ सहयोग से काम करते हैं, जिससे कि एक सफल संक्रमण सुनिश्चित किया जा सके।

## सीखने के लिए मूल्यांकन

बच्चों की शिक्षा के लिए आकलन इस प्रक्रिया को दर्शाता है कि बच्चों को क्या पता है, वे क्या कर सकते हैं, और वे क्या समझते हैं, इसके बारे में जानकारी को सबूत के रूप में प्राप्त किया जा सके और इसका विश्लेषण किया जा सके। यह एक जारी चक्र का हिस्सा होता है जिसमें योजना बनाना, प्रलेखन करना और बच्चों की शिक्षा का मूल्यांकन करना शामिल है।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह परिवारों, बच्चों और अन्य पेशेवरों के साथ साझेदारी में शिक्षकों को निम्नलिखित के लिए सक्षम बनाता है:

- बच्चों के वर्तमान और भविष्य के अध्ययन के लिए प्रभावी ढंग से योजना बनाना
- बच्चों की शिक्षा और प्रगति के बारे में बातचीत करना
- यह निर्धारित करना कि सभी बच्चे सीखने के परिणामों को साकार करने के लिए किस सीमा तक प्रगति कर रहे हैं, और अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो उनकी प्रगति को क्या बाधित कर रहा है
- उन बच्चों की पहचान करना जिन्हें सीखने के विशेष परिणामों को प्राप्त करने के क्रम में अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता हो सकती है, वह सहायता प्रदान करना या विशेषज्ञ मदद का उपयोग करने के लिए परिवारों की सहायता करना
- शिक्षा के प्रस्तावित अवसरों, वातावरणों और अनुभवों व बच्चों की शिक्षा को सक्षम बनाने के लिए लिए गए दृष्टिकोणों के प्रभाव का मूल्यांकन करना
- इस संदर्भ में और इन बच्चों के अनुरूप अध्यापन पर चिंतन करना।

शिक्षक बच्चों की शिक्षा का आकलन करने हेतु जानकारी को एकत्र, प्रलेखित, संगठित, संक्षेपित और उसकी व्याख्या करने के लिए कई प्रकार की रणनीतियों का उपयोग करते हैं। वे ऐसी समृद्ध और सार्थक जानकारी एकत्र करने के लिए उचित तरीकों की खोज करते हैं जोकि संदर्भ में बच्चों की शिक्षा को दर्शाती है, उनकी प्रगति का वर्णन करती है और उनकी प्रबलताओं, कुशलताओं और समझ को पहचानती है। मूल्यांकन करने के लिए और अधिक हाल के दृष्टिकोण भी बच्चों द्वारा उपयोग की जाने वाली सीखने की रणनीतियों की जांच करते हैं, और शिक्षक और हरेक बच्चे के व्यवहार के माध्यम से शिक्षण की सह-अवरचना के तरीकों को प्रतिबिंबित करते हैं। प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किए जाने पर मूल्यांकन करने के ये दृष्टिकोण बच्चों और उनके परिवारों, शिक्षकों और अन्य पेशेवरों को दिखाई देने वाली सीखने की प्रक्रिया बनाने के लिए शक्तिशाली तरीके हो जाते हैं।

इस ढाँचे में पाँच सीखने के परिणाम, जिनका उल्लेख बाद में किया गया है, प्रारंभिक बचपन के व्यावसायिकों को ऐसे प्रमुख संदर्भ बिंदु प्रदान करते हैं जिनके समक्ष बच्चों की प्रगति को पहचाना जा सकता है, उसे प्रलेखित किया जा

सकता है और परिवारों, अन्य प्रारंभिक बचपन के शिक्षकों व स्कूलों में शिक्षकों को संचारित किया जा सकता है। समय के साथ शिक्षक इस बात पर चिंतन कर सकते हैं कि बच्चों का विकास कैसे हुआ है, वे बढ़ती हुई जटिलता वाले विचारों के साथ कैसे संलग्न करते हैं, और बढ़ते हुए परिष्कृत शिक्षण के अनुभवों में कैसे भाग लेते हैं।

कई प्रकार के तरीकों वाली जारी मूल्यांकन प्रक्रियाएं उन अलग-अलग रास्तों को अधिग्रहित करती हैं और मान्यता देती हैं जिनका अनुसरण बच्चे इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए करते हैं। इस तरह की प्रक्रियाएं बच्चों की शिक्षा के अंतिम-बिंदुओं पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित नहीं करती हैं; वे प्रत्येक बच्चे द्वारा 'तय की गई दूरी' पर बराबर ध्यान देती हैं और न केवल बच्चों के अपने शिक्षण में लिए गए बड़े कदमों को पहचानती हैं और मान्यता देती हैं, परंतु उनके छोटे कदमों के लिए भी यही दृष्टिकोण रखती हैं।

सभी बच्चे अलग-अलग तरीकों से अपने सीखने का प्रदर्शन करते हैं। मूल्यांकन के प्रति ऐसे दृष्टिकोण जो सांस्कृतिक और भाषायी रूप से प्रासंगिक होते हैं और प्रत्येक बच्चे की शारीरिक और बौद्धिक क्षमताओं के प्रति प्रत्युत्तरशील होते हैं, वे प्रत्येक बच्चे की क्षमता और प्रबलताओं को स्वीकार करते हैं, और उन्हें क्षमता का प्रदर्शन करने की अनुमति देते हैं।

प्रासंगिक और उपयुक्त मूल्यांकन प्रक्रियाओं के विकास और कार्यान्वयन में बच्चों, परिवारों और अन्य पेशेवरों को शामिल करने से नई समझ को उभरने की अनुमति मिलती है, जोकि उस परिस्थिति में संभव नहीं है जब शिक्षक पूरी तरह से केवल अपनी रणनीति और दृष्टिकोण पर आश्रित रहते हैं। बच्चों और उनके परिवारों के साथ समग्र मूल्यांकन प्रथाओं का विकास विविधता के लिए सम्मान को दर्शाता है, शिक्षकों ने क्या देखा है इसकी बेहतर समझ बनाने में मदद करता है और बच्चों और वयस्कों दोनों के सीखने का समर्थन करता है।

परिवारों के सहयोग से किया गया मूल्यांकन बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने में परिवारों की सहायता कर सकता है और उन्हें प्रारंभिक बचपन सेटिंग से परे अपने बच्चों की ओर से कार्रवाई करने के लिए सशक्त बना सकता है। जब बच्चों को मूल्यांकन की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है, तो वे शिक्षार्थी के रूप में खुद की समझ और सबसे अच्छे तरीके से सीखने की समझ का विकास कर सकते हैं।

जब शिक्षक बच्चों की शिक्षा और मूल्यांकन में अपनी भूमिका पर चिंतन करते हैं, तो वे निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रारंभिक बचपन के सिद्धांत, शोध और कार्यप्रथा पर खुद के विचारों और समझ का चिंतन करते हैं:

- अनुभव और वातावरण जो वे उपलब्ध कराते हैं और ये कैसे सीखने के आशान्वित परिणामों से जुड़े हुए हैं
- वह सीमा जिसतक वे बच्चों और शिक्षण के बारे में सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट ज्ञान को जानते हैं व महत्व देते हैं, जोकि जिस समुदाय में वे काम कर रहे हैं, उसके भीतर समाहित होता है

- परिवारों के संदर्भ में प्रत्येक बच्चे की शिक्षा, परिवार के दृष्टिकोण, समझ, अनुभव और अपेक्षाएं
- सीखने के उन अवसरों का निर्माण जिनके बारे में बच्चे पहले से ही जानते हैं और जिन्हें वे प्रारंभिक बचपन की सेटिंग में लाते हैं
- यह प्रमाण कि सीखने के अनुभव सभी बच्चों को समाहित करते हैं और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त हैं
- अनुत्तरित पूर्वाग्रहों के कारण कुछ बच्चों के सीखने के लिए कुछ कम अपेक्षाओं की स्थापना के बारे में धारणाएं नहीं बनाते हैं
- विभिन्न दृष्टिकोणों के ज्ञान को दर्शाने वाली शैक्षणिक प्रथाओं को शामिल करते हैं और बच्चों के कल्याण और सफलता से सीखने के लिए योगदान देते हैं
- क्या सभी बच्चों के लिए पर्याप्त रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभव मौजूद हैं
- वह प्रमाण जो दर्शाता है कि बच्चे सीख रहे हैं
- वे मूल्यांकन को और अधिक समृद्ध व अधिक उपयोगी बनाने के लिए आकलन के अनेकानेक तरीकों का विस्तार कैसे कर सकते हैं।

# शिक्षण के परिणाम



शिक्षण के पाँच परिणामों की अवरचना जन्म से पांच साल की आयु-सीमा तक के सभी बच्चों की एकीकृत और जटिल शिक्षा और विकास को अधिग्रहित करने के लिए की गई है। ये परिणाम हैं:

- बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है
- बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं
- बच्चों में कल्याण की एक मजबूत भावना है
- बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं
- बच्चे प्रभावी संचारक हैं।

परिणाम व्यापक हैं और इन्हें देखा जा सकता है। वे इस बात को स्वीकृति देते हैं कि बच्चे कई तरीकों से सीखते हैं और उनकी सीखने की क्षमताओं और गति में भिन्नताएं होती हैं। समय के साथ बच्चे बढ़ती हुई जटिलता वाले विचारों और सीखने के अनुभवों के साथ संलग्न होते हैं, जो कि अन्य स्थितियों के लिए हस्तांतरणीय होते हैं।

परिणामों के संबंध में शिक्षण निम्नलिखित से प्रभावित होता है:

- प्रत्येक बच्चे की वर्तमान क्षमताएं, स्वभाव और सीखने की वरीयताएं
- शिक्षकों की कार्यप्रथाएं और प्रारंभिक बचपन का वातावरण
- प्रत्येक बच्चे की परिवार और समुदाय के साथ संलग्नता
- परिणामों में शिक्षण का समेकन

बच्चों की शिक्षा जारी रहती है और प्रत्येक बच्चा परिणामों की दिशा में अलग-अलग और समान रूप से सार्थक तरीकों से प्रगति करेगा। सीखना हमेशा अनुमाननीय और रैखिक नहीं होता है। शिक्षक अपने मन में प्रत्येक बच्चे और परिणामों के साथ योजना बनाते हैं।

निम्नलिखित शिक्षण के परिणाम दर्शाते हैं कि ढाँचे के तीन तत्व: सिद्धांत, कार्यप्रथाएं और परिणाम बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम-निर्णय लेने और मूल्यांकन के मार्गदर्शन के लिए कैसे संलग्न होते हैं।

ऐसे कई अन्य तरीके होंगे जिनके माध्यम से बच्चे परिणामों के भीतर और आर-पार शिक्षण को दर्शाएंगे। शिक्षक बच्चों की शिक्षा को समझते हैं, उसके साथ संलग्न करते हैं और उसे बढ़ावा देते हैं। वे प्रत्येक बच्चे और उसके समुदाय के लिए प्रासंगिक स्थानीय आधार पर निर्णय लेने के लिए परिवारों और समुदायों के साथ बात करते हैं।

शिक्षकों के लिए सांस्कृतिक और प्रासंगिक रूप से प्रत्येक बच्चे और उसकी सेटिंग के लिए उपयुक्त प्रमाणों और कार्यप्रथाओं के विशिष्ट उदाहरण सूचीबद्ध करने के लिए प्रावधान हैं।

प्रत्येक परिणाम के भीतर वर्णित बिंदु सभी उम्र के बच्चों के लिए प्रासंगिक हैं। व्यक्तिगत बच्चों, उनकी प्रबलताओं और क्षमताओं का ज्ञान यह सुनिश्चित करने में शिक्षकों को 'व्यावसायिक निर्णय' का मार्गदर्शन देगा कि सभी बच्चे सभी शिक्षण परिणामों के आर-पार कई प्रकार के अनुभवों में इस प्रकार से संलग्न हो रहे हैं जोकि उनके सीखने को सबसे बेहतर बना सकेगा।





## परिणाम 1: बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है

अपनेपन की भावना, *जीवन जीना* और *कुछ बनना* पहचान के अभिन्न भाग हैं।

बच्चे खुद के बारे में सीखते हैं और अपने परिवारों और समुदायों के संदर्भ में अपनी स्वयं की पहचान का निर्माण करते हैं। इसमें लोगों, स्थानों और चीजों के साथ उनके संबंध और दूसरों के कार्य और प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। पहचान कठोरता से तय नहीं होती है। यह अनुभवों से आकार लेती है। जब बच्चों को सकारात्मक अनुभव होते हैं, तो वे अपनी महत्वपूर्ण और सम्मानजनक खुद की समझ विकसित करते हैं, और अपनेपन की भावना महसूस करते हैं। संबंध पहचान के निर्माण के लिए नींव के समान होते हैं - 'मैं कौन हूँ, मैं कैसे जुड़ा हुआ हूँ, और 'मेरा प्रभाव क्या है?'

प्रारंभिक बचपन की सेटिंग्स में जब बच्चों को स्वीकार किया जाता है, जब वे लगाव विकसित करते हैं और उनपर भरोसा करते हैं जो उनकी देखभाल करते हैं, तो उनमें अपनेपन की भावना का विकास होता है। जब बच्चे पहचान की अपनी भावना को विकसित कर रहे होते हैं, तब वे अपने खेल और अपने संबंधों के माध्यम से, उसके विभिन्न पहलुओं (शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक, संज्ञानात्मक) का पता लगाते हैं।

जब बच्चे सुरक्षित, महफूज़ और समर्थित महसूस करते हैं, तो पता लगाने और जानने के लिए उनके आत्म-विश्वास में वृद्धि होती है।

जीवन जीने की अवधारणा शिक्षकों को बच्चों के यहाँ और अब पर ध्यान देने के लिए, और प्रारंभिक बचपन की खुशी का अनुभव करने के लिए बच्चों के अधिकार और बाल्यकाल की खुशियों के महत्व की याद दिलाती है। जीवन जीने में बच्चों की अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत, लिंग और अपनी दुनिया में उनके महत्व के बारे में जागरूकता विकसित करना शामिल है।

कुछ बनने में बच्चे अपने अनुभवों और परिवर्तन और संक्रमणों सहित संबंधों के विकास के माध्यम से अपनी पहचान को आकार देते हैं। बच्चे हमेशा अपनी निजी मान्यताओं और मूल्यों के प्रभाव के बारे में सीखते रहते हैं। बच्चों की एजेंसी और साथ ही परिवार तथा शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन, देखभाल और शिक्षण बच्चों के कुछ बनने के अनुभवों को आकार देते हैं।



## परिणाम 1: बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है

- बच्चे सुरक्षित, महफूज़ और समर्थित महसूस करते हैं
- बच्चे अपनी उभरती हुई स्वायत्तता, अंतर-निर्भरता, लचीलेपन और एजेंसी की भावना का विकास करते हैं
- बच्चे जानकार और आत्म-विश्वास से परिपूर्ण पहचान विकसित करते हैं
- बच्चे अन्य लोगों के संबंध में देखभाल, सहानुभूति और सम्मान के साथ बातचीत करना सीखते हैं

### बच्चे सुरक्षित, महफूज़ और समर्थित महसूस करते हैं

#### यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:

- एक परिचित शिक्षक और उसके बाद और अधिक परिचित शिक्षकों के साथ सुरक्षित लगावों का निर्माण करते हैं
- आसानी से अनुमानित संक्रमण बनाने में मदद करने के लिए प्रभावी चर्चाओं का उपयोग करते हैं
- अपनेपन की भावना महसूस करते हैं और इसका प्रत्युत्तर देते हैं
- आराम और सहायता की अपनी ज़रूरतों को संचारित करते हैं
- अन्य बच्चों और शिक्षकों के साथ सम्मानजनक, विश्वासपूर्ण संबंध स्थापित करते हैं और उन्हें बनाए रखते हैं
- खुले-तौर पर अन्य लोगों के साथ अपनी बातचीत में अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करते हैं
- दूसरों के विचारों और सुझावों का जवाब देते हैं
- भरोसेमंद शिक्षकों के साथ व्यवहार और बातचीत शुरू करते हैं
- आत्मविश्वास के साथ संबंधों और खेल के माध्यम से सामाजिक और भौतिक परिवेशों की जाँच करते हैं और उनके साथ संलग्न होते हैं
- खेल आरंभ करते हैं और इसमें शामिल होते हैं
- भूमिका निभाने के माध्यम से पहचान के पहलुओं का पता लगाते हैं

#### शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- बच्चों के इशारों और संकेतों को संवेदनशीलता के साथ स्वीकार करते हैं और जवाब देते हैं
- मुलाकातों और बातचीत शुरू करने के लिए बच्चों के प्रयासों का संवेदनशीलता के साथ प्रत्युत्तर देते हैं
- सुसंगत और गर्माहट भरे पोषण संबंधों के माध्यम से बच्चों के सुरक्षित लगाव का समर्थन करते हैं
- परिवर्तन के समय में बच्चों का समर्थन करते हैं और परिचित व अपरिचित के बीच के अंतराल को कम करते हैं
- सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण बच्चे की पालन-प्रथाओं और सीखने के दृष्टिकोणों पर निर्माण करते हैं
- भावनात्मक रूप से उपलब्ध होते हैं और बच्चों की अपने विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति का समर्थन करते हैं
- इस बात की पहचान करते हैं कि संकट, भय या बेचैनी की भावनाओं को हल करने में कुछ समय लग सकता है
- सकारात्मक तरीकों से प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता को स्वीकार करते हैं
- प्रत्येक बच्चे के साथ व्यवहार करने और बातचीत में समय बिताते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 1: बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है

बच्चे अपनी उभरती हुई स्वायत्तता, अंतर-निर्भरता, लचीलेपन और एजेंसी की भावना का विकास करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- दूसरों की ज़रूरतों और अधिकारों के प्रति बढ़ती हुई जागरूकता का प्रदर्शन करते हैं
- नई चुनौतियों और खोजों के लिए खुला दृष्टिकोण रखते हैं
- अन्य लोगों के साथ बढ़ते हुए सहयोग से काम करते हैं
- अपने निर्णयों में सुविज्ञ जोखिम लेते हैं और अप्रत्याशित चीजों का सामना करते हैं
- अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों और दूसरों की उपलब्धियों की पहचान करते हैं
- आत्म-नियमन की एक बढ़ती हुई क्षमता का प्रदर्शन करते हैं
- नई सुरक्षित स्थितियों का सामना आत्म-विश्वास के साथ करते हैं
- बातचीत आरंभ करना और व्यवहार साझा करना शुरू करते हैं
- जब पहले प्रयास सफल नहीं रहते हैं, तब चुनौतियों का सामना जारी रखते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- उनके व्यवहार के बारे में सुविज्ञ विकल्प बनाने की रणनीति बच्चों को प्रदान करते हैं
- बच्चों की संबंध, संयुक्तता और कल्याण की भावना को बढ़ावा देते हैं
- प्रत्येक बच्चे की क्षमताओं की ऊंची उम्मीदें बनाए रखते हैं
- अन्य बच्चों के अधिकारों की तुलना में अपने अधिकारों के बारे में बातचीत करने के लिए मध्यस्थता और सहायता उपलब्ध कराते हैं
- बच्चों को कार्यों के साथ स्वतंत्र रूप से संलग्न रहने और खेलने के लिए अवसर प्रदान करते हैं
- बच्चों के प्रयासों के लिए प्रसन्नता, प्रोत्साहन और उत्साह का प्रदर्शन करते हैं
- जब उचित हो तब उनकी सहायता करने और प्रोत्साहित करने के माध्यम से बच्चों के प्रयासों का समर्थन करते हैं
- जब बच्चे चुनौतियों का सामना कर रहे होते हैं, तब बच्चों को सफल होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं
- बच्चों को व्यक्तिगत और सहयोगी, दोनों प्रकार की गतिविधियों में संलग्न करने के लिए समय और स्थान उपलब्ध कराते हैं
- बच्चों के व्यक्तिगत समुदायों के सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण शिक्षण पर निर्माण करते हैं
- बच्चों को विकल्प चुनने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 1: बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है

बच्चे जानकार और आत्म-विश्वास से परिपूर्ण पहचान विकसित करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- वे जो हैं, उसके लिए अभिस्वीकृति और सम्मान महसूस करते हैं
- नाटकीय खेलों में देखने की अलग पहचान और दृष्टिकोणों का पता लगाते हैं
- अन्य बच्चों और शिक्षकों के साथ अपनी संस्कृति के पहलुओं को बाँटते हैं
- अर्थ का निर्माण करने के लिए अपने घर की भाषा का उपयोग करते हैं
- अपनी सांस्कृतिक पहचान का समझौता किए बिना परिवार और व्यापक समुदाय की संस्कृति और भाषा/ओं, दोनों की मजबूत नींव का विकास करते हैं
- वयोवृद्धों और समुदाय के सदस्यों के साथ संलग्नता के माध्यम से अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत का विकास करते हैं
- आराम, सहायता और साहचर्य के लिए दूसरों तक पहुँचने के लिए प्रयास और संवाद करते हैं
- दूसरों के साथ अपने योगदान और उपलब्धियों की खुशी मनाते हैं और उन्हें साझा करते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- सभी बच्चों में जो वे हैं उसके बारे में व दूसरों के साथ अपनी संयुक्तता - ऑस्ट्रेलियावासियों के रूप में एक साझा पहचान - को बढ़ावा देने की मजबूत भावना को प्रोत्साहित करते हैं
- यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी बच्चे अपनी उपलब्धियों में गर्व और विश्वास का अनुभव करें
- परिवारों के साथ बच्चों की सफलताओं को साझा करते हैं
- बच्चों, परिवारों, समुदायों और संस्कृतियों के अलग-अलग दृष्टिकोणों को स्वीकार करते हुए विविधता के प्रति सम्मान दिखाते हैं
- यह स्वीकार करते हैं और समझते हैं कि बच्चे कई अलग-अलग तरीकों से अर्थ का निर्माण करते हैं
- बच्चों की शिक्षा के लिए योजना बनाने में प्रत्येक बच्चे, उसके परिवार और समुदाय संदर्भों की गहरी समझ का प्रदर्शन करते हैं
- पहचान और संस्कृति को मान्यता देने और उन्हें व्यक्त करने के कई सारे तरीकों के उदाहरण बच्चों को प्रदान करते हैं
- सीखने के सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण दृष्टिकोण पर निर्माण करते हैं
- बच्चों द्वारा लाए गए ज्ञान, भाषाओं और समझ पर निर्माण करते हैं
- लोगों में समानताओं और मतभेदों के बारे में सम्मानजनक तरीके से बच्चों के साथ बात करते हैं
- बच्चों की सामाजिक दुनिया को दर्शाने वाले समृद्ध और विविध संसाधन उपलब्ध कराते हैं
- बच्चों की खुद के बारे में समझ को सुनते हैं और उसके बारे में पता करते हैं
- सक्रिय रूप से घर की भाषा और संस्कृति के रख-रखाव का समर्थन करते हैं
- बच्चों की खुद की प्रामाणिक समझ विकसित करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 1: बच्चों में पहचान की एक मजबूत भावना है

बच्चे अन्य लोगों के संबंध में देखभाल, सहानुभूति और सम्मान के साथ बातचीत करना सीखते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- अन्य बच्चों की अभिरुचियों में और एक समूह का हिस्सा होने में दिलचस्पी दिखाते हैं
- साझा खेल अनुभवों में संलग्न होते हैं और योगदान देते हैं
- अनेकानेक प्रकार की रचनात्मक भावनाएं, विचार और दृष्टिकोण प्रदर्शित करते हैं
- दूसरों के लिए सहानुभूति और चिंता व्यक्त करते हैं
- दूसरों के दृष्टिकोणों के प्रति जागरुकता और सम्मान प्रदर्शित करते हैं
- अपने कार्यों पर चिंतन करते हैं और दूसरों के परिणामों पर विचार करते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- दैनिक दिनचर्या के दौरान बच्चों के साथ एक-से-एक बातचीत आरंभ करते हैं, विशेष रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों के साथ
- छोटे समूहों में बातचीत को और खेल के अनुभवों को बढ़ावा देने वाले तरीकों से सीखने के वातावरण को नियोजित करते हैं
- बच्चों, कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति देखभाल, सहानुभूति और सम्मान का प्रारूप दर्शाते हैं
- बच्चों को बातचीत शुरू करने और अन्य बच्चों के साथ उत्पादक संबंधों को बनाए रखने के तरीकों द्वारा खेल और सामाजिक अनुभवों में शामिल होने के लिए समर्थन देने के लिए स्पष्ट संचार रणनीति का प्रारूप बनाते हैं
- बच्चों के जटिल संबंधों को स्वीकार करते हैं और वैकल्पिक दृष्टिकोणों और सामाजिक समावेशन किए जाने के विचार को बढ़ावा देने के तरीकों में संवेदनशीलता के साथ हस्तक्षेप करते हैं

*अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:*

**समावेशन:**

में पाठ्यक्रम-निर्णय लेने की प्रक्रिया में सभी बच्चों की सामाजिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता (जिसमें शिक्षण शैली, योग्यताएं, विकलांगताएं, लिंग, परिवार के हालात और भौगोलिक स्थान शामिल हैं) को ध्यान में रखा जाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सभी बच्चों के अनुभवों को मान्यता और मूल्य दिया जाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी होता है कि सभी बच्चों को संसाधनों और भागीदारी के लिए न्यायोचित उपयोग, और उनके सीखने का प्रदर्शन करने व अंतर को मूल्य देने के अवसर प्राप्त हों।

## परिणाम 2:

### बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं

संबंधों का अनुभव और समुदायों में भागीदारी बच्चों के अपनेपन, जीवन जीने और कुछ बनने में योगदान देता है। जन्म से लेकर बच्चे कई समुदायों में अन्य लोगों के साथ रहने और सीखने का अनुभव करते हैं। इनमें परिवार, स्थानीय समुदाय या प्रारंभिक बचपन की सेटिंग्स शामिल हो सकती हैं। पहचान की एक सकारात्मक भावना होना और सम्मानजनक, संवेदनशील संबंधों का अनुभव करने से अपनी दुनिया में सक्रिय योगदानकर्ता बनने में बच्चों की रुचि और कौशल को प्रबलता प्राप्त होती है। जब बच्चे प्रारंभिक बचपन सेटिंग्स में कदम रखते हैं, तो वे विभिन्न संबंधों और समुदायों में प्रतिभागियों के रूप में अपने अनुभवों को विस्तृत करते हैं।

समय के साथ बच्चों के दूसरों के साथ जुड़ने और भाग लेने के मार्गों की विविधता और जटिलता बढ़ती जाती है। शिशु मुस्कुराने, रोने, नकल बनाने, और ध्वनियों के माध्यम से अन्य लोगों के साथ संबंधित होने या भाग लेने में रुचि के अपने स्तर को दिखाते हैं। छोटे शिशु अन्य छोटे शिशुओं के साथ इशारों के माध्यम से जुड़ाव व्यक्त करते हैं, जैसेकि किसी व्यथित बच्चे को अपने टेड्डी देना या एक नए बच्चे का उत्साह से स्वागत करना। बड़े बच्चे इसमें रुचि दिखाते हैं कि अन्य लोग उनके बारे में कैसे सोचते हैं व दोस्ती के बारे में उनकी समझ कैसी है। वे इस बारे में समझ विकसित करते हैं कि उनके कार्य या प्रतिक्रियाएं दूसरों के एहसास करने और अपनेपन के अनुभव को प्रभावित करती हैं।

जब शिक्षक ऐसे वातावरण बनाते हैं जिनमें बच्चे लोगों और पर्यावरण के साथ परस्पर सुखद, देखभालपूर्ण और सम्मानजनक संबंधों का अनुभव करते हैं, तो बच्चे तदनुसार प्रत्युत्तर देते हैं। जब बच्चे हर रोज की दिनचर्याओं, घटनाओं और अनुभवों में सहयोगात्मक रूप से भाग लेते हैं और उनके पास निर्णय लेने के लिए योगदान करने के अवसर होते हैं, तो वे एक-दूसरे पर निर्भर करते हुए जीना सीखते हैं।

बच्चों की संयुक्तता और लोगों, देश और समुदायों के साथ अलग-अलग तरीकों से उनके जुड़ने के तरीकों से उन्हें जीवन जीने के तरीकों में ऐसी सहायता मिलती है जो उनके परिवारों और समुदायों के मूल्यों, परम्पराओं और प्रथाओं को प्रतिबिंबित करती है। समय के साथ यह सीखना उनके दूसरों के साथ व्यवहार करने के तरीके को बदल देता है।





## परिणाम 2: बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं

- बच्चे समूहों और समुदायों के साथ अपनेपन की भावना का विकास करते हैं और सक्रिय समुदाय में भागीदारी के लिए आवश्यक पारस्परिक अधिकारों और जिम्मेदारियों की समझ का विकास करते हैं
- बच्चे विविधता का प्रत्युत्तर सम्मान के साथ देते हैं
- बच्चे निष्पक्षता के बारे में जागरूक हैं
- बच्चे सामाजिक रूप से जिम्मेदार हैं और पर्यावरण के लिए सम्मान दिखाते हैं

बच्चे समूहों और समुदायों के साथ अपनेपन की भावना का विकास करते हैं और सक्रिय समुदाय में भागीदारी के लिए आवश्यक पारस्परिक अधिकारों और जिम्मेदारियों की समझ का विकास करते हैं

### यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:

- यह पहचानना शुरू करते हैं कि उनके पास कई समुदायों से जुड़ने का अधिकार है
- दूसरों के साथ सहयोग करते हैं और खेलने के प्रकरणों और सामूहिक अनुभवों में भूमिकाओं और संबंधों पर व्यवहार करते हैं
- सामाजिक समूहों में भाग लेने के लिए अन्य बच्चों की सहायता करने के लिए कार्रवाई करते हैं
- जिस संसार में वे रहते हैं, उसकी समझ को व्यापक करते हैं
- स्वयं को प्रभावित करने वाले मामलों में राय व्यक्त करते हैं
- जीवन जीने के अन्य तरीकों का अन्वेषण करने के लिए अपने स्वयं के सामाजिक अनुभवों पर निर्माण करते हैं
- पारस्परिक संबंधों में भाग लेते हैं
- धीरे-धीरे दूसरों का व्यवहार 'पढ़ना' और उचित जवाब देना सीखते हैं
- खेल और परियोजनाओं के माध्यम से योगदान करने के विभिन्न तरीकों को समझते हैं
- अपने वातावरणों में एक अपनेपन की भावना और आराम का प्रदर्शन करते हैं
- चंचल हैं और मित्रता और दोस्ती के लिए दूसरों को सकारात्मक प्रत्युत्तर देते हैं
- स्वयं को प्रभावित करने वाले मामलों के बारे में निष्पक्ष निर्णय लेने में योगदान देते हैं

### शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- प्रारंभिक बचपन सेटिंग में समुदाय की भावना को बढ़ावा देते हैं
- प्रारंभिक बचपन सेटिंग और स्थानीय समुदाय के बीच संयुक्तता का निर्माण करते हैं
- बच्चों को अपने जीवन और अपने स्थानीय समुदायों के लिए प्रासंगिक विचारों, जटिल अवधारणाओं और नैतिक मुद्दों की जांच करने के लिए अवसर प्रदान करते हैं
- विचारों को व्यक्त करने, भूमिकाओं को व्यावहारिक बनाने और लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु सहयोग करने के लिए उपयोग कर सकने वाली भाषा का प्रारूप बनाते हैं
- यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों में भाग लेने और सामूहिक खेलों और परियोजनाओं में योगदान करने के लिए कुशलताएं मौजूद हैं
- बच्चों के लिए सामूहिक चर्चाओं और नियमों व अपेक्षाओं के बारे में साझा निर्णय लेने के अवसरों में सार्थक तरीके से भाग लेने के लिए योजनाएं बनाते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:



## परिणाम 2: बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं

### बच्चे विविधता का प्रत्युत्तर सम्मान के साथ देते हैं

यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:

- दूसरों के लिए चिंता दिखाना शुरू करते हैं
- संस्कृति, विरासत, पृष्ठभूमि और परंपरा की विविधता का अन्वेषण करते हैं और यह पता लगाते हैं कि विविधता विकल्पों और नई समझ के लिए अवसर प्रस्तुत करती है
- लोगों के बीच संयुक्तताओं, समानताओं और मतभेदों के बारे में जागरूक होते हैं
- दूसरों के विचारों को सुनने और जीवन जीने और काम करने के विभिन्न तरीकों का सम्मान करते हैं
- सह-अस्तित्व प्राप्त करने के समावेशी तरीकों का अभ्यास करते हैं
- लोगों के बीच समानताओं और मतभेदों को नोट करते हैं और सकारात्मक तरीके से प्रतिक्रिया करते हैं

शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- विविधता के प्रति अपनी स्वयं की प्रतिक्रियाओं पर चिंतन करते हैं
- बच्चों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने वाले और विविधता की सराहना को प्रोत्साहित करने वाले अनुभवों की योजना बनाते हैं और संसाधन उपलब्ध कराते हैं
- बच्चों को अलग-अलग भाषाओं और बोलियों के प्रति उन्मुख करते हैं और भाषाई विविधता की सराहना को प्रोत्साहित करते हैं
- बच्चों को दूसरों की बातें सुनने के लिए और विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- अपने स्वयं के व्यवहार में और बच्चों के साथ बातचीत में विविधता के लिए सकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रदर्शन करते हैं
- बच्चों के साथ विविधता और मूल्य विशिष्टता के लिए सम्मान को बढ़ावा देने वाली बातचीत में संलग्न होते हैं
- अपने समुदाय के संदर्भ में प्रत्येक बच्चे की संस्कृति, विरासत, पृष्ठभूमि और परंपराओं का पता लगाते हैं
- बच्चों के साथ विविधता के बारे में उनके विचारों का पता लगाते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 2: बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं

### बच्चे निष्पक्षता के बारे में जागरूक हैं

#### यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे

- लोगों के बीच कुछ जुड़ाव का पता लगाते हैं और खोज करते हैं
- भौतिक और सामाजिक वातावरण में लोगों को शामिल करने या इनसे बाहर रखने के तरीकों के बारे में पता करते हैं
- अन्याय और पक्षपात की पहचान करने की व करुणा और दया के साथ कार्य करने की क्षमता विकसित करते हैं
- विशेष संदर्भों में अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विकल्प लेने और समस्याओं का हल करने में सशक्त बनते हैं
- उचित और अनुचित व्यवहार के बारे में गंभीर रूप से सोचना शुरू करते हैं
- लिखित सामग्री किस तरह से पहचान का निर्माण करती है और प्रारूपों को बनाती है, उन तरीकों को समझना और उनका मूल्यांकन करना शुरू करते हैं

#### शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- बच्चों की चिंताओं को ध्यान से नोट करते हैं और सुनते हैं और शामिल किए जाने व अपवर्जन तथा उचित व अनुचित व्यवहार के मुद्दों पर विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा करते हैं
- सम्मानपूर्ण और बराबर के संबंधों के बारे में विचार-विमर्श में बच्चों को शामिल करते हैं, उदाहरण के लिए जब कोई बच्चा संसाधनों के उपयोग में प्रभुत्व रखता है
- बच्चों के साथ उन तरीकों का विश्लेषण व चर्चा करते हैं जिनके द्वारा लिखित सामग्री पहचान की एक सीमित श्रृंखला का निर्माण करती है और प्रारूपों को सुदृढ़ बनाती है
- प्रारंभिक बचपन सेटिंग और समुदाय में अपने लिए प्रासंगिक निष्पक्षता के मुद्दों के लिए बच्चों का ध्यान आकर्षित करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 2: बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और उसमें योगदान देते हैं

### बच्चे सामाजिक रूप से जिम्मेदार हैं और पर्यावरण के लिए सम्मान दिखाते हैं

#### यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे

- नए विचारों की जांच, प्रक्षेपण और अन्वेषण करने के लिए खेल का उपयोग करते हैं
- समस्याओं का समाधान करने और समूह परिणामों के लिए योगदान देने के लिए अन्य लोगों के साथ भाग लेते हैं
- प्राकृतिक और निर्मित वातावरण के लिए बढ़ते हुए ज्ञान और सम्मान का प्रदर्शन करते हैं
- भूमि, लोगों, पौधों और जानवरों के बीच अन्योन्याश्रय की एक बढ़ती हुई समझ का पता लगाते हैं, पूर्वानुमान करते हैं, भविष्य बताते हैं और अनुमान करते हैं
- प्राकृतिक और निर्मित वातावरण के लिए बढ़ती हुई प्रशंसा और देखभाल का प्रदर्शन करते हैं
- अन्य जीवित और निर्जीव चीजों के साथ संबंधों का पता लगाते हैं और निरीक्षण करते हैं, नोट करते हैं व बदलाव के लिए प्रतिक्रिया दर्शाते हैं
- वातावरणों और जीवित चीजों की अन्योन्याश्रयता पर मानव गतिविधि के प्रभाव के बारे में जागरूकता का विकास करते हैं

#### शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- बच्चों को अपने वातावरण में अनेकानेक प्राकृतिक सामग्रियों के उपयोग के लिए उपलब्धता प्रदान करते हैं
- प्राकृतिक वातावरण के लिए सम्मान, देखभाल और सराहना को मॉडल करते हैं
- भूमि की देखभाल करने और उससे सीखने के लिए बच्चों को सक्षम करने हेतु तरीके खोजते हैं
- भूमि से बच्चों की संयुक्तता की प्रकृति और समुदाय के तौर-तरीकों के प्रति सम्मान का प्रदर्शन करने पर विचार करते हैं
- पर्यावरण के बारे में और संसाधनों के उपयोग और वातावरणों पर मानवीय गतिविधियों के प्रभाव के बारे में बच्चों के साथ जानकारी साझा करते हैं व उन्हें पहुँच उपलब्ध कराते हैं
- दैनिक दिनचर्या और व्यवहारों में स्थिरता अन्तर्स्थापित करते हैं
- वातावरण में अन्योन्याश्रयता के उदाहरण देखते हैं और जीवित चीजों के जीवन और स्वास्थ्य के पारस्परिक जुड़ाव के तरीकों पर चर्चा करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

### परिणाम 3:

#### बच्चों में कल्याण की एक मजबूत भावना है

कल्याण में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक, दोनों पहलू शामिल होते हैं और यह अपनेपन, जीवन जीने और कुछ बनने के केंद्र में होता है। कल्याण की एक मजबूत भावना के बिना अपनेपन की एक मजबूत भावना विकसित करने, जीवन जीने में दूसरों पर भरोसा करने और आत्मविश्वास महसूस करने, और कुछ बनने में योगदान देने वाले अनुभवों में आशावादी तरीके से संलग्न हो पाना मुश्किल होता है।

कल्याण में अच्छा शारीरिक स्वास्थ्य, प्रसन्नता की भावनाएं, संतुष्टि और सफल सामाजिक कार्य शामिल होते हैं। यह बच्चों को अपने परिवेश में व्यवहार करने के तरीकों को प्रभावित करता है। कल्याण की एक मजबूत भावना बच्चों को उनके सीखने की क्षमता को अधिकतम बनाने के लिए आत्मविश्वास और आशावाद प्रदान करती है। यह बच्चों की जन्मजात खोजपूर्ण शक्ति, एजेंसी की भावना और दूसरों के साथ व्यवहार करने की उत्तरदायी इच्छा के विकास को प्रोत्साहित करती है।

कल्याण की लचीलेपन के साथ संयुक्तता होती है, जोकि बच्चों को दिन-प्रतिदिन के तनाव और चुनौतियों से निपटने के लिए क्षमता प्रदान करती है। अपरिचित और चुनौतीपूर्ण सीखने की परिस्थितियों का सामना करने के लिए दृढ़ बने रहने के लिए तत्परता, सफलता और उपलब्धि के लिए अवसर पैदा करती है।

बच्चों का सीखना और शारीरिक विकास उनके परिक्रमण के पैटर्न के माध्यम से स्पष्ट होता है, जोकि जन्म के समय शारीरिक निर्भरता और प्रत्युत्तर कार्य से, संवेदी, मोटर और संज्ञानात्मक प्रणालियों के एकीकरण के लिए होता है, जिससे कि उद्देश्य और आनंद, दोनों के लिए संगठित व नियंत्रित शारीरिक गतिविधि उपलब्ध हो पाए।

बच्चों का कल्याण उनके प्रारम्भिक बचपन की सेटिंग के भीतर और बाहर, दोनों के सभी अनुभवों द्वारा प्रभावित हो सकता है। बच्चों की शिक्षा का समर्थन करने के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षक बच्चों के कल्याण के प्रति कार्य करें, जिसके लिए उन्हें गर्माहट से भरे विश्वासपूर्ण संबंध, पूर्वानुमाननीय व सुरक्षित वातावरण, तथा उनके शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, संज्ञानात्मक, भाषाई, रचनात्मक और आध्यात्मिक पहलुओं को अभिस्वीकृति और सम्मान दिया जा सके। प्रत्येक बच्चे की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान को स्वीकार करने से तथा उनकी भावनात्मक दशाओं का संवेदनशीलता के साथ जवाब देने से शिक्षक बच्चों के आत्मविश्वास, कल्याण की भावना और सीखने में संलग्न रहने की इच्छा का निर्माण करते हैं।

बच्चों के विकसित होते हुए लचीलेपन और स्व-सहायता व बुनियादी स्वास्थ्य-चर्याओं के लिए बढ़ती हुई जिम्मेदारी लेने की क्षमता से स्वावलंबन और विश्वास की भावना को बढ़ावा मिलता है। जब वे शिक्षकों और दूसरों के द्वारा स्वयं की परवाह किए जाने का अनुभव करते हैं, तो उन्हें अन्य लोगों के साथ एक-दूसरे पर निर्भर करते हुए शिक्षा के महत्व के बारे में पता चलता है।

पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, शारीरिक तंदुरुस्ती, भावनाओं और सामाजिक संबंधों सहित स्वस्थ जीवन-शैली के बारे में सीखना कल्याण और आत्म-विश्वास का एक अभिन्न अंग होता है। शारीरिक कल्याण बच्चों की ध्यान केंद्रित करने की, सहयोग करने की और सीखने की क्षमता के लिए योगदान देता है। जैसे-जैसे बच्चे अधिक स्वावलंबी होते जाते हैं, वैसे-वैसे वे अपने स्वास्थ्य, स्वच्छता और व्यक्तिगत देखभाल के लिए और अधिक जिम्मेदारी लेने में सक्षम होते जाते हैं और अपनी स्वयं की व दूसरों की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनते जाते हैं। चर्याएं बच्चों को स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में जानने के लिए अवसर प्रदान करती हैं। अच्छा पोषण स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक है और यह खेल में बच्चों की सक्रिय भागीदारी को सक्षम बनाता है। प्रारम्भिक बचपन की सेटिंग्स बच्चों को अनेकानेक स्वस्थ भोजन का अनुभव करने के लिए और शिक्षकों व अन्य बच्चों से खाने के विकल्पों का चयन करने के बारे में जानने के लिए कई अवसर प्रदान करती हैं।

उत्कृष्ट और सकल मोटर कौशल के लिए शारीरिक गतिविधि और ध्यान देना बच्चों को उनकी बढ़ती हुई स्वतंत्रता और खुद के लिए काम करने में सक्षम होने की संतुष्टि के लिए नींव प्रदान करता है।



## परिणाम 3: बच्चों में कल्याण की एक मजबूत भावना है

- बच्चे अपने सामाजिक और भावनात्मक कल्याण में सशक्त बनते हैं
- बच्चे अपने स्वास्थ्य और शारीरिक कल्याण के लिए बढ़ती हुई जिम्मेदारी लेते हैं

### बच्चे अपने सामाजिक और भावनात्मक कल्याण में सशक्त बनते हैं

#### यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:

- भरोसे और आत्म-विश्वास का प्रदर्शन करते हैं
- संकट, भ्रम और निराशा के समय अन्य लोगों के लिए सुलभ रहते हैं
- विनोद, प्रसन्नता और संतुष्टि को साझा करते हैं
- नई चुनौतियों को ढूँढते हैं और उन्हें स्वीकार करते हैं, नई खोजें करते हैं, और अपने स्वयं के व दूसरे लोगों के प्रयासों और उपलब्धियों से खुश होते हैं
- सहयोग और अन्य लोगों के साथ साझेदारी में बढ़ते हुए ढंग से काम करते हैं
- एकांत के क्षणों का आनंद उठाते हैं
- अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि की पहचान करते हैं
- चुनाव करते हैं, चुनौतियों को स्वीकार करते हैं, विचारित जोखिम लेते हैं, बदलाव का प्रबंधन करते हैं और कुंठाओं व अप्रत्याशित का सामना करते हैं
- भावनाओं को समझने, स्व-विनियमित करने और प्रबंधन करने की एक बढ़ती हुई क्षमता को ऐसे तरीकों से दिखाते हैं, जो दूसरों की भावनाओं और ज़रूरतों को प्रतिबिंबित करे
- सीखने में व्यक्तिगत सफलताओं का अनुभव करते हैं और उन्हें साझा करते हैं व अपने घर की भाषाओं या मानक ऑस्ट्रेलियाई अंग्रेज़ी में नया सीखने के लिए अवसरों का आरंभ करते हैं
- प्रतिज्ञान को अभिस्वीकृति देते हैं व स्वीकार करते हैं
- दूसरों की आवश्यकताओं और अधिकारों के प्रति बढ़ती हुई जागरूकता का प्रदर्शन करते हुए उनकी क्षमताओं और स्वतंत्रताओं पर जोर देते हैं
- साझा परियोजनाओं और अनुभवों को बनाने में योगदान को पहचान देते हैं

#### शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- सभी बच्चों के लिए वास्तविक स्नेह, समझ और सम्मान दिखाते हैं
- बच्चों के साथ उनकी उपलब्धियों का प्रलेखन करने के लिए और उनके परिवारों के साथ अपनी सफलताओं को साझा करने के लिए सहयोग करते हैं
- यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी बच्चे अपने प्रयासों और उपलब्धियों में गर्व का अनुभव करें
- बच्चों की अपनेपन, संयुक्तता और कल्याण की भावना को बढ़ावा देते हैं
- बच्चों को कार्यों और खेल में संलग्न व दृढ़ बने रहने के लिए उन्हें चुनौती देते हैं और उनका समर्थन करते हैं
- बच्चों के विचारों पर निर्माण करते हैं और उनका विस्तार करते हैं
- प्रत्येक बच्चे की क्षमताओं की ऊंची उम्मीदों को बनाए रखते हैं
- बच्चों के व्यक्तिगत निर्णय लेने की क्षमता को मूल्य देते हैं
- बच्चों की संस्कृति के पहलुओं और आध्यात्मिक जीवन को साझा करने के लिए बच्चों और परिवारों का स्वागत करते हैं
- भावनात्मक विनियमन और आत्म-नियंत्रण की उनकी समझ का समर्थन करने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ घटनाओं के लिए उनकी भावनाओं और प्रतिक्रियाओं के बारे में बच्चों के साथ बात करते हैं
- बच्चों के प्रयास और विकास को स्वीकार करते हैं और अभिस्वीकृति देते हैं
- दूसरों के अधिकारों के संबंध में बच्चों को अपने अधिकारों के लिए व्यवहार करने हेतु बच्चों के बीच मध्यस्थता और सहायता करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:



## परिणाम 3: बच्चों में कल्याण की एक मजबूत भावना है

बच्चे अपने स्वास्थ्य और शारीरिक कल्याण के लिए बढ़ती हुई जिम्मेदारी लेते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- अपनी शारीरिक जरूरतों की पहचान और उनका संवाद करते हैं (उदाहरण के लिए, प्यास, भूख, आराम, साँत्वना, शारीरिक गतिविधि)
- खुश, स्वस्थ, सुरक्षित और दूसरों से जुड़े हुए होते हैं
- बढ़ती हुई जटिलता वाले संवेदी-मोटर कौशल और गतिविधियों के पैटर्न में संलग्न होते हैं
- नृत्य, रचनात्मक गतिविधियों और नाटक सहित गतिविधि के जटिल पैटर्न प्राप्त करने के लिए सकल और उत्कृष्ट मोटर गतिविधियों और संतुलन को जोड़ते हैं
- बढ़ते हुए एकाकीकरण, कौशल और पता लगाने व अपने संसार को उत्तर देने के उद्देश्य से अपनी संवेदी क्षमताओं और स्वभाव का उपयोग करते हैं
- अपने आस-पास के वातावरण में आत्म-विश्वास के साथ और सुरक्षित रूप से गतिविधियां करने के माध्यम से स्थानिक जागरुकता दिखाते हैं और खुद को अनुकूल बनाते हैं
- बढ़ती हुई क्षमता और कौशल के साथ उपकरणों का कुशलतापूर्वक प्रयोग व प्रबंधन करते हैं
- पारंपरिक और समकालीन संगीत, नृत्य और कहानी सुनाने के प्रति गतिविधियों के माध्यम से जवाब देते हैं
- स्वस्थ जीवन-शैली और अच्छे पोषण के लिए एक बढ़ती हुई जागरुकता दिखाते हैं
- व्यक्तिगत स्वच्छता, देखभाल और खुद व दूसरों के लिए सुरक्षा में बढ़ती हुई स्वतंत्रता और क्षमता दिखाते हैं
- भौतिक खेल में भाग लेने के लिए उत्साह दिखाते हैं और खेलने के स्थानों का प्रबंधन करते हैं जिससे कि वे खुद की और दूसरों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित कर सकें

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- बच्चों के साथ ऊर्जावान शारीरिक गतिविधियों के लिए योजनाएं बनाते हैं व उनमें भाग लेते हैं, जिनमें नृत्य, नाटक, शारीरिक गतिविधियां और खेल शामिल हैं
- खेल में परिचित क्रीडाओं और शारीरिक गतिविधियों को शामिल करने के लिए परिवार और समुदाय के अनुभव और विशेषज्ञता को आधार बनाते हैं
- बच्चों की उत्कृष्ट और सकल मोटर कुशलताओं को संसाधित करने के लिए उपकरणों और सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराते हैं
- बच्चों को स्वच्छता प्रथाएं सीखने के लिए सक्रिय रूप से समर्थन देते हैं
- बच्चों, परिवारों और समुदाय के साथ चर्चाओं और कार्यक्रम के स्वामित्व के बंटवारे द्वारा बच्चों के व्यक्तिगत स्वास्थ्य और स्वच्छता की निरंतरता को बढ़ावा देते हैं
- बच्चों के साथ स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करते हैं और सभी के लिए पर्यावरण को सुरक्षित रखने हेतु दिशा-निर्देशों को विकसित करने में उन्हें शामिल करते हैं
- स्वस्थ जीवन-शैलियों और अच्छे पोषण को बढ़ावा देने वाले अनुभवों, बातचीत और चर्चाओं में बच्चों को शामिल करते हैं
- समुदाय के संदर्भ में दिन की गति पर विचार करते हैं
- बच्चों के साथ स्वास्थ्य, पोषण और व्यक्तिगत स्वच्छता प्रथाओं को मॉडल करते हैं और उन्हें सुदृढ़ बनाते हैं
- पूरे दिन-भर में अनेकानेक सक्रिय और शांत अनुभव उपलब्ध कराते हैं और भागीदारी के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए बच्चों का समर्थन करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:



## परिणाम 4:

### बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं

सुरक्षा और कल्याण की सुदृढ़ भावना बच्चों को प्रयोग करने और पता लगाने के लिए और नए विचारों पर कोशिश करने के लिए आत्मविश्वास देती है। इस प्रकार से यह उनकी क्षमता विकसित करने और सीखने में सक्रिय और समावेशित प्रतिभागी बनने में उनकी क्षमता का विकास करती है। जब प्रारम्भिक बचपन की सेटिंग में बच्चों के परिवार और समुदाय के अनुभव व समझ को पहचान व समावेशन दिया जाता है, तो इससे बच्चों के आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी बनने की संभावना बढ़ जाती है। इससे उन्हें जुड़ाव स्थापित करने और नए अनुभवों की विवेचना करने में मदद मिलती है।

बच्चे पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं में अन्वेषण, सहयोग और समस्या को सुलझाने के रूप में प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं। जिज्ञासा, दृढ़ता और रचनात्मकता जैसे स्वभावों का विकास बच्चों को भाग लेने और सीखने से प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। प्रभावी शिक्षार्थी एक संदर्भ में सीखी गई चीजों को दूसरे संदर्भ में हस्तांतरित और अनुकूलित करने में और सीखने के लिए संसाधनों का पता लगाने और प्रयोग करने में भी सक्षम होते हैं।

एक सहायक सक्रिय सीखने के माहौल में जो बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी होते हैं, वे अपने खुद के सीखने, व्यक्तिगत विनियमन और सामाजिक वातावरण के लिए बढ़ते हुए तरीके से जिम्मेदारी लेते हैं। विभिन्न सेटिंग्स में सीखने के अनुभवों के बीच सम्पर्क और निरंतरता शिक्षण को अधिक सार्थक बनाती हैं व बच्चों की अपनेपन की भावनाओं को बढ़ावा देती हैं।

बच्चे सक्रिय, व्यावहारिक जांच के माध्यम से खुद की और अपनी दुनिया की समझ विकसित करते हैं। एक सहायक, सक्रिय सीखने का माहौल सीखने में बच्चों की संलग्नता को प्रोत्साहित करता है, जिसे उनकी अभिरुचि को आकृष्ट करने वाली चीजों के लिए गहरी एकाग्रता और पूरा ध्यान देने के रूप में मान्यता दी जा सकती है। बच्चे अपने जीवन जीने को अपने शिक्षण में लाते हैं। उनके दुनिया को देखने के कई तरीके होते हैं, सीखने की विभिन्न प्रक्रियाएं होती हैं और अपनी खुद की पसंदीदा सीखने की शैलियां होती हैं।

सीखने में सक्रिय भागीदारी बच्चों की अवधारणाओं की समझ और आजीवन सीखने के लिए आवश्यक रचनात्मक सोच और जांच प्रक्रियाओं को मजबूत बनाती है। वे अपनी और दूसरों की सोच को चुनौती दे सकते हैं और उसका विस्तार कर सकते हैं, और सहयोगात्मक बातचीत और वार्ता से नए ज्ञान बना सकते हैं। बच्चों की सक्रिय भागीदारी से वे क्या जानते हैं, क्या कर सकते हैं, किसे मूल्य देते हैं और उनके सीखने में बदलाव आ सकता है।

शिक्षकों का व्यक्तिगत बच्चों का ज्ञान बच्चों की शिक्षा का अनुकूलन करने हेतु एक पर्यावरण और अनुभव प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण होता है।

## परिणाम 4: बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं

- बच्चे सीखने के लिए जिज्ञासा, सहयोग, आत्म-विश्वास, रचनात्मकता, प्रतिबद्धता, उत्साह, दृढ़ता, कल्पना और प्रत्युत्तरशीलता जैसे स्वभावों का विकास करते हैं
- बच्चे समस्याएं सुलझाने, जाँच करने, प्रयोग करने, अनुमान लगाने, शोध करने और अन्वेषण करने जैसी अनेकानेक प्रकार की कुशलताएं और प्रक्रियाएं विकसित करते हैं
- बच्चे एक संदर्भ में सीखी गई बातों को दूसरे संदर्भ में हस्तांतरित और अनुकूलित करते हैं
- लोगों, जगह, प्रौद्योगिकियों और प्राकृतिक व प्रसंस्कृत सामग्री के साथ जोड़ने के माध्यम से बच्चे स्वयं अपने सीखने को संसाधित करते हैं

बच्चे सीखने के लिए जिज्ञासा, सहयोग, आत्म-विश्वास, रचनात्मकता, प्रतिबद्धता, उत्साह, दृढ़ता, कल्पना और प्रत्युत्तरशीलता जैसे स्वभावों का विकास करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- अपने वातावरण में आश्चर्य और अभिरुचि प्रदर्शित करते हैं
- अपने शिक्षण में जिज्ञासा और उत्साही प्रतिभागी होते हैं
- विचारों की जांच करने, कल्पना करने और पता लगाने के लिए खेल का उपयोग करते हैं
- उत्साह, ऊर्जा और एकाग्रता के साथ अपने स्वयं के हितों का पालन और उनका विस्तार करते हैं
- अपने स्वयं के विचारों से उभरने वाले खेल के अनुभवों की पहल करते हैं और उनके लिए योगदान देते हैं
- कई प्रकार के समृद्ध और सार्थक जांच-आधृत अनुभवों में भाग लेते हैं
- दृढ़ बने रहते हैं और उपलब्धि की संतुष्टि का अनुभव करते हैं
- एक मुश्किल काम होने के बावजूद भी लगनता बनाए रखते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- सीखने में बच्चों की भागीदारी को पहचान और मूल्य देते हैं
- सीखने के लचीले और ओपन-एंडेड वातावरण प्रदान करते हैं
- विचारों पर टिप्पणी करने और प्रोत्साहन देने व अतिरिक्त विचार उपलब्ध कराने के द्वारा बच्चों के सीखने के स्वभाव के प्रदर्शन का प्रत्युत्तर देते हैं
- बच्चों को व्यक्तिगत और सहयोगी, दोनों खोजपूर्ण सीखने की प्रक्रिया में संलग्न करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- बच्चों के विचारों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं और उनके साथ इस बारे में चर्चा करते हैं कि इन विचारों को कैसे विकसित किया जा सकता है
- अपने विचारों को फिर से सोचने और अपनी सोच का विस्तार करने के लिए बच्चों को अवसर प्रदान करते हैं
- आश्चर्य, जिज्ञासा और कल्पना सहित जांच प्रक्रियाओं को मॉडल करते हैं, नए विचारों के लिए प्रयास करते हैं और नई चुनौतियों को ग्रहण करते हैं
- बच्चों ने क्या और कैसे सीखा है, इसपर चिंतन करते हैं
- बच्चे अपनी प्रारम्भिक बचपन सेटिंग्स में जो ज्ञान, भाषाएं और समझ लाते हैं, उनपर निर्माण करते हैं
- संस्कृतियों और सामाजिक पहचानों की विविधता का पता लगाते हैं
- बच्चों में इस बात की एक प्रबल भावना को बढ़ावा देते हैं कि वे कौन हैं और वे दूसरों के साथ कैसे जुड़े हुए हैं - ऑस्ट्रेलियावासियों के रूप में एक साझा पहचान

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 4: बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं

बच्चे समस्याएं सुलझाने, जाँच करने, प्रयोग करने, अनुमान लगाने, शोध करने और अन्वेषण करने जैसी अनेकानेक प्रकार की कुशलताएं और प्रक्रियाएं विकसित करते हैं

यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:

- परिस्थितियों के साथ संलग्न होने और समस्याओं को हल करने के लिए एक विस्तृत विविधता वाली सोच-रणनीतियों को लागू करते हैं, और नयी परिस्थितियों में इन रणनीतियों का अनुकूलन करते हैं
- गणितीय विचारों और अवधारणाओं को बनाने और व्यवस्थित, प्रलेखित व संचारित करने के लिए प्रतिनिधित्व का निर्माण और उपयोग करते हैं
- अपनी दैनिक गतिविधियों, प्राकृतिक दुनिया के पहलुओं और वातावरणों के बारे में पूर्वानुमान और सामान्यीकरण करते हैं, व इसके लिए उत्पन्न या पहचान किए गए पैटर्नों का प्रयोग करते हैं और गणितीय भाषा और प्रतीकों का उपयोग करके इन्हें प्रसारित करते हैं
- अपने पर्यावरण का अन्वेषण करते हैं
- वस्तुओं का कुशलतापूर्वक प्रयोग करते हैं, और कारण और प्रभाव, परीक्षण और त्रुटि और गति के साथ अन्वेषण करते हैं
- गणितीय विचार-विमर्श और बहस करने के लिए रचनात्मक योगदान देते हैं
- बातें क्यों होती हैं और इन अनुभवों से क्या सीखा जा सकता है, इसपर विचार करने के लिए चिंतनशील सोच का उपयोग करते हैं

शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- चुनौती से निपटने के उचित स्तर के साथ सीखने के वातावरण की योजना बनाते हैं, जहाँ बच्चों को पता लगाने, प्रयोग करने और अपने सीखने में उचित जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है
- बच्चे सीखने के लिए जो गणितीय समझ लाते हैं, उनकी पहचान करते हैं और प्रत्येक बच्चे के लिए प्रासंगिक मायनों में इन पर निर्माण करते हैं
- छोटे बच्चों और शिशुओं को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराते हैं, जो चुनौती, हैरत और आश्चर्य पेश करते हैं, उनकी जांच का समर्थन करते हैं और उनके आनंद को साझा करते हैं
- बच्चों को समस्याओं की जांच और हल करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले अनुभव प्रदान करते हैं
- बच्चों को अपने विचारों का वर्णन करने और समझाने के लिए भाषा का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित करते हैं
- विचारों की जांच, जटिल अवधारणाओं और सोच, तर्क और अनुमान लगाने का समर्थन करने वाले अनुभवों में शामिल होने के लिए अवसर प्रदान करते हैं
- बच्चों को अपने विचार और सिद्धांत दूसरों को दिखाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- गणितीय और वैज्ञानिक भाषा व कलाओं के साथ जुड़ी हुई भाषा को मॉडल करते हैं
- बच्चों के खेल में शामिल होते हैं और तर्क, अनुमान और प्रक्रियाओं व भाषा का पूर्वानुमान और प्रदर्शन करते हैं
- जान-बूझकर बच्चों की समझ को सहारा देते हैं
- अनुमान लगाने के लिए बच्चों के प्रयासों को ध्यान से सुनते हैं और बातचीत व पृष्ठताछ के माध्यम से उनकी सोच का विस्तार करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 4: बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं

बच्चे एक संदर्भ में सीखी गई बातों को दूसरे संदर्भ में हस्तांतरित और अनुकूलित करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- संलग्न होते हैं और सीखने का सह-निर्माण करते हैं
- या तो तुरंत या बाद में, दूसरों की क्रियाओं की नकल उतारने, दुहराने और अभ्यास करने की क्षमता विकसित करते हैं
- अनुभवों, अवधारणाओं और प्रक्रियाओं के बीच संबंध बनाते हैं
- समस्याओं का समाधान करने के लिए खेल, चिंतन और जांच की प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं
- एक स्थिति से दूसरी स्थिति के लिए सामान्यीकरण लागू करते हैं
- किसी स्थिति में समस्याओं को हल करने की जो रणनीति प्रभावी रही थी, उन्हें एक नए संदर्भ में प्रयोग करने की कोशिश करते हैं
- एक सेटिंग से दूसरी सेटिंग में ज्ञान का स्थानांतरण करते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- बच्चों द्वारा अपने शिक्षण को नए तरीकों से प्रयुक्त करने को मूल्य देते हैं और इसके बारे में उनके साथ ऐसे तरीकों से बात करते हैं जो उनकी समझ को बढ़ाते हैं
- बच्चों द्वारा समस्याओं के कई समाधान का निर्माण करने और सोच के विभिन्न तरीकों का उपयोग करने के लिए समर्थन देते हैं
- बच्चों का ध्यान वातावरण व उनके सीखने में पैटर्न और संबंधों के प्रति आकर्षित करते हैं
- समय और स्थान के लिए योजना बनाते हैं जहां बच्चे अपने सीखने पर चिंतन कर सकते हैं और मौजूदा और नया सीखने के बीच समानता और जुड़ाव को देख सकते हैं
- अन्य सेटिंग्स में परिवारों और पेशेवरों के साथ सूचना का आदान-प्रदान करके एक सेटिंग से दूसरी सेटिंग में बच्चों के सीखने के बारे में ज्ञान को साझा और हस्तांतरित करते हैं
- बच्चों को अपने विचारों और समझ पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- यह समझते हैं कि क्षमता किसी विशेष भाषा, बोली या संस्कृति से जुड़ी हुई नहीं होती है

*अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:*



## परिणाम 4: बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं

लोगों, जगह, प्रौद्योगिकियों और प्राकृतिक व प्रसंस्कृत सामग्री के साथ जोड़ने के माध्यम से बच्चे स्वयं अपने सीखने को संसाधित करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- सीखने वाले संबंधों में संलग्न होते हैं
- प्राकृतिक और निर्मित वातावरण का पता लगाने के लिए अपनी इंद्रियों का उपयोग करते हैं
- साझा सीखने के अन्वेषण के लाभों और सुखों का अनुभव करते हैं
- अनेकानेक उपकरणों, मीडिया, ध्वनियों और ग्राफिक्स के उद्देश्य और कार्य का पता लगाते हैं
- जांच करने, अलग करने, इकट्ठा करने, आविष्कार करने और निर्माण करने के लिए संसाधनों का कुशलता से प्रयोग करते हैं
- विभिन्न तकनीकों के साथ प्रयोग करते हैं
- जांच और समस्याओं को हल करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग करते हैं
- कल्पना, रचनात्मकता और खेल का उपयोग करके विचारों और सिद्धांतों का पता लगाते हैं
- किसी विचार का संशोधन और निर्माण करने के लिए खुद की और दूसरों की प्रतिक्रिया का उपयोग करते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- सार्थक सीखने के संबंधों में संलग्न होने के लिए बच्चों को अवसर और समर्थन प्रदान करते हैं
- प्राकृतिक और प्रसंस्कृत सामग्री के साथ संवेदी और खोजपूर्ण अनुभव प्रदान करते हैं
- प्रारम्भिक बचपन की सेटिंग से परे व्यापक समुदाय और वातावरण में बच्चों को शामिल करने के अनुभव प्रदान करते हैं
- बच्चों को एक-दूसरे को सहारा देने की संभावनाओं पर विचार करते हुए इस बात पर ध्यानपूर्वक सोचते हैं कि बच्चों को खेलने के लिए कैसे वर्गीकृत किया जाता है
- उपयुक्त उपकरण, प्रौद्योगिकी और मीडिया को शुरू करने और बच्चों की शिक्षा को बढ़ाने के लिए कौशल, ज्ञान और तकनीक प्रदान करते हैं
- सीखने के लिए एक रणनीति के रूप में बच्चों के लिए सामग्री का निर्माण करने और अलग करने, दोनों के अवसर प्रदान करते हैं
- सेटिंग में बच्चों के लिए उपलब्ध तकनीकों के साथ अपने स्वयं के आत्मविश्वास का विकास करते हैं
- बच्चों को अपनी सोच का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले संसाधन उपलब्ध कराते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:



## परिणाम 5:

### बच्चे प्रभावी संचारक हैं

संचार अपनेपन, जीवन जीने और कुछ बनने के लिए महत्वपूर्ण होता है। जन्म से ही बच्चे इशारों, ध्वनियों, भाषा और सहायता-लब्ध संचार का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करते हैं। वे सामाजिक प्राणी होते हैं जो आंतरिक रूप से विचारों, सोच, सवालों और भावनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए प्रेरित रहते हैं। वे संगीत, नृत्य और नाटक सहित कई प्रकार के उपकरण और मीडिया का प्रयोग करते हैं, जिससे कि वे खुद को अभिव्यक्त कर सकें, अन्य लोगों के साथ जुड़ सकें और अपने सीखने का विस्तार कर सकें।

बच्चों का अपनी घर की भाषाओं का उपयोग उनकी पहचान और उनके वैचारिक विकास की अपनी भावना को रेखांकित करता है। बच्चे अपनेपन की भावना महसूस करते हैं जब उनकी भाषा, बातचीत की शैली और संवाद स्थापित करने के तरीकों को मूल्य दिया जाता है। उनके पास मानक ऑस्ट्रेलियाई अंग्रेज़ी में दक्षता विकसित करने के साथ ही अपने घर की भाषा के उपयोग को जारी रखने का अधिकार होता है।

साक्षरता और आँकिक क्षमताएं संचार के महत्वपूर्ण पहलू होते हैं और पाठ्यक्रम में सफलता से सीखने के लिए अहम होते हैं।

साक्षरता अपने सभी रूपों में भाषा का उपयोग करने के लिए क्षमता, आत्मविश्वास और स्वभाव है। साक्षरता में संचार के कई माध्यम शामिल होते हैं, जिनमें संगीत, शारीरिक गतिविधियां, नृत्य, कहानी कहना, दृश्य कलाएं, मीडिया और नाटक के साथ-साथ बात करना, बात सुनना, देखना, पढ़ना और लिखना शामिल है। समकालीन लिखित सामग्री में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट आधारित मीडिया शामिल है। एक बढ़ती हुई तकनीकी वाली दुनिया में लिखित सामग्री का गंभीर रूप से विश्लेषण करने की क्षमता साक्षरता का एक प्रमुख घटक है। बच्चे तकनीकों का प्रयोग करके अपनी दुनिया का पता लगाने के लिए और डिजिटल मीडिया का उपयोग करने में विश्वास विकसित करने के लिए अवसरों से लाभ उठाते हैं।

आँकिक क्षमता दैनिक जीवन में गणित का उपयोग करने के लिए क्षमता, आत्म-विश्वास और स्वभाव है। बच्चे समस्याओं को हल करने के माध्यम से नई गणितीय समझ लाते हैं। यह आवश्यक है कि छोटे बच्चे जिन गणितीय विचारों के साथ व्यवहार करते हैं, वे उनके वर्तमान जीवन के संदर्भ में प्रासंगिक और सार्थक हों। शिक्षकों को एक समृद्ध गणितीय शब्दावली की आवश्यकता होती है, जिससे कि वे बच्चों के गणितीय विचारों और आँकिक सक्षमता का सही वर्णन और विकास का समर्थन कर सकें। स्थानिक भावना, संरचना और पैटर्न, संख्या, माप, आँकड़े, विवाद, संयुक्तता और गणितीय ढंग से दुनिया की खोज करना ऐसे सशक्त गणितीय विचार हैं जिनकी आवश्यकता बच्चों को आँकिक दक्षता के लिए होती है।

प्रारम्भिक बचपन की सेटिंग्स में अनुभव भाषा, साक्षरता और आँकिक क्षमता के उन अनेकानेक अनुभवों के ऊपर निर्मित होते हैं जो बच्चों के अपने परिवारों और समुदायों के अंदर होते हैं।

साक्षरता और आँकिक क्षमता में सकारात्मक नज़रिए और दक्षताएं बच्चों के सफलतापूर्वक सीखने के लिए आवश्यक हैं। इन दक्षताओं के लिए नींव प्रारम्भिक बचपन में बनाई जाती है।

## परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं

- बच्चे कई प्रकार के प्रयोजनों के लिए अन्य लोगों के साथ मौखिक और गैर-मौखिक रूप से बातचीत करते हैं
- बच्चे कई प्रकार की लिखित सामग्री के साथ संलग्न होते हैं और इस सामग्री से अर्थ प्राप्त करते हैं
- बच्चे कई प्रकार के मीडिया का उपयोग करके विचारों को व्यक्त करते हैं और अर्थ निकालते हैं
- बच्चे प्रतीकों और पैटर्न तंत्रों के काम करने के तरीके को समझना शुरू करते हैं
- बच्चे सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके सूचना तक पहुँच प्राप्त करते हैं, विचारों की जांच करते हैं और अपनी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं

### **लिखित सामग्री:**

वे चीजें होती हैं जो हम पढ़ने, देखने और सुनने के लिए प्रयुक्त करते हैं और जिनकी रचना हम अर्थ साझा करने के लिए करते हैं। लिखित सामग्री प्रिंट-आधृत हो सकती है, जैसेकि पुस्तकें, पत्रिकाएं और पोस्टर, या स्क्रीन-आधृत हो सकती है, उदाहरण के लिए इंटरनेट साइटें और डीवीडी। बहुत सी लिखित सामग्री चित्रों, लिखित शब्दों और/या ध्वनि को एकीकृत करते हुए बहुविध होती है।

### **अभ्यस्तता:**

“अभ्यस्तता में संलग्नता के क्षणों में मनोस्थितियों का संरेखण शामिल है, जिसके दौरान चेहरे की अभिव्यक्ति, ध्वनियों, शारीरिक संकेतों और आँख से संपर्क के साथ प्रभाव को संचारित किया जाता है।” (सीगल, 1999)

## परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं

बच्चे कई प्रकार के प्रयोजनों के लिए अन्य लोगों के साथ मौखिक और गैर-मौखिक रूप से बातचीत करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- मौखिक और गैर-मौखिक भाषा का प्रयोग करके सुखद व्यवहार में संलग्न होते हैं
- घर/परिवार और समुदाय की साक्षरताओं पर निर्माण करते हुए उद्देश्य और विश्वास के साथ संदेशों को संचारित करते हैं और उनका निर्माण करते हैं
- वे जो देखते हैं, सुनते हैं, स्पर्श करते हैं, महसूस करते हैं और स्वाद लेते हैं, उसके प्रति मौखिक और गैर-मौखिक रूप से प्रत्युत्तर देते हैं
- अर्थ को साझा व प्रक्षेपित करने के लिए खेल, संगीत और कला से भाषा और प्रतिनिधित्वों का उपयोग करते हैं
- खेल में व छोटी और बड़ी समूह-चर्चा में अपने विचारों और अनुभवों का योगदान देते हैं
- इस बात के लिए सांस्कृतिक संकेत देते हैं कि उनसे जो कुछ कहा जा रहा है, वे उसे सुन और समझ रहे हैं
- स्वतंत्र संचारक हैं जो मानक ऑस्ट्रेलियाई अंग्रेज़ी और घर की भाषा में बातचीत शुरू करते हैं और श्रोताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता का प्रदर्शन करते हैं
- विचारों और अवधारणाओं का पता लगाने, सोच को स्पष्ट करने और चुनौती देने, बातचीत और नई समझ साझा करने के लिए दूसरों के साथ व्यवहार करते हैं
- घर/परिवार की साक्षरताओं और व्यापक समुदाय पर निर्माण करते हुए उद्देश्य और विश्वास के साथ संदेशों का संचारण और निर्माण करते हैं
- खेल में भाषा और प्रतिनिधित्वों का उपयोग करके विचारों, भावनाओं और समझ का आदान-प्रदान करते हैं
- आकार, लंबाई, मात्रा, क्षमता और संख्या के नामों का वर्णन करने के लिए शब्दावली का उपयोग करते हुए माप और संख्या की एक बढ़ती हुई समझ का प्रदर्शन करते हैं
- विचारों और भावनाओं को व्यक्त करते हैं और दूसरों के दृष्टिकोणों को समझते हैं और उनका सम्मान करते हैं
- वस्तुओं और संग्रहों की विशेषताओं का वर्णन करने हेतु मात्रा के बारे में सोच व संवाद करने के लिए और गणितीय विचारों की व्याख्या करने के लिए भाषा का उपयोग करते हैं
- कम से कम एक भाषा में बढ़ता हुआ ज्ञान, समझ और अर्थ प्रसारित करने की कुशलता प्रदर्शित करते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- शिशुओं के ध्वनि बनाने और उनके साथ खेलने के रूप में बच्चों के साथ सुखद व्यवहार में संलग्न होते हैं
- अभ्यस्त होते हैं और संवाद करने के बच्चों के प्रयासों के प्रति संवेदनशीलता और उचित प्रत्युत्तरशीलता दिखाते हैं
- बच्चों के शब्दों के अनुमान को सुनते हैं और उसका जवाब देते हैं
- बच्चों की भाषाई विरासत को मूल्य देते हैं और परिवार व समुदाय के सदस्यों के साथ घर की भाषाओं और मानक ऑस्ट्रेलियाई अंग्रेज़ी के उपयोग और अधिग्रहण के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- यह समझते हैं कि बच्चे प्रारम्भिक बचपन के कार्यक्रमों में तब प्रवेश करते हैं जब उन्होंने अपने घर और समुदायों में अपने अनुभवों को संचारित करना और उनका अर्थ निकालना शुरू कर दिया होता है
- भाषा को मॉडल करते हैं और बच्चों को अनेकानेक संदर्भों में भाषा के माध्यम से और अनेकानेक उद्देश्यों हेतु खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- विचारों और अनुभवों के बारे में बच्चों के साथ निरंतर संचार में संलग्न रहते हैं, और उनकी शब्दावली का विस्तार करते हैं
- बच्चों द्वारा गणितीय भाषा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए वास्तविक जीवन के संसाधनों को शामिल करते हैं

*अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:*

## परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं

बच्चे कई प्रकार की लिखित सामग्री के साथ संलग्न होते हैं और इस सामग्री से अर्थ प्राप्त करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- भाषण, कहानियों और कविताओं के संदर्भ में ध्वनियों और पैटर्न को सुनते हैं और उनका जवाब देते हैं
- मुद्रित, दृश्य और मल्टीमीडिया लिखित सामग्री को देखते और सुनते हैं और प्रासंगिक इशारों, गतिविधियों, टिप्पणियों और/या सवालों के साथ प्रत्युत्तर देते हैं
- कविताएं, गीत और गाने गाते हैं और उन्हें बार-बार बोलते हैं
- अपने खेल में साक्षरता और ऑकिक क्षमता के उपयोगकर्ताओं की भूमिकाएं लेते हैं
- महत्वपूर्ण साक्षरता और ऑकिक क्षमताओं व प्रक्रियाओं को समझना शुरू करते हैं, जैसेकि भाषा की ध्वनियाँ, अक्षर-ध्वनि संबंध, प्रिंट की अवधारणाएं और लिखित सामग्री की संरचना के तरीके
- अनेकानेक दृष्टिकोणों से लिखित सामग्री का पता लगाते हैं और अर्थ का विश्लेषण करना शुरू करते हैं
- अनेकानेक तरीकों से भाषा और लिखित सामग्री का सक्रिय रूप से उपयोग करते हैं, इसके साथ संलग्न होते हैं और आनंद साझा करते हैं
- सांस्कृतिक रूप से निर्मित की गई लिखित और मौखिक सामग्री की पहचान करते हैं और इसके साथ संलग्न होते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- बच्चों के साथ अनेकानेक किताबों और अन्य लिखित सामग्री को पढ़ते हैं और साझा करते हैं
- एक साक्षरता-युक्त वातावरण प्रदान करते हैं, जिसमें घर की भाषाओं में प्रदर्शन प्रिंट और मानक ऑस्ट्रेलियाई अंग्रेज़ी शामिल है
- कविताएं, गीत और गाने गाते हैं और उन्हें बार-बार बोलते हैं
- शब्दों और ध्वनियों के साथ बच्चों को खेल में संलग्न करते हैं
- बच्चों के साथ लिखित सामग्री को साझा करते समय कविता और अक्षर और ध्वनियों की अवधारणाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बात करते हैं
- परिवार और समुदाय की परिचित लिखित सामग्री को शामिल करते हैं और कहानियाँ सुनाते हैं
- बच्चों के खेल में शामिल होते हैं और छवियों और प्रिंट के अर्थ के बारे में बातचीत में बच्चों को शामिल करते हैं
- विभिन्न दृष्टिकोणों के विचार को बढ़ावा देने वाली किताबें और अन्य लिखित सामग्री के बारे में विचार-विमर्श में बच्चों को शामिल करते हैं
- विशिष्ट विचारों को प्रस्तुत करने और उत्पादों को बेचने के लिए लिखित सामग्री का निर्माण करने के तरीकों का विश्लेषण करने के लिए बच्चों को समर्थन देते हैं
- कला को भाषा के रूप में पढ़ाते हैं और यह पढ़ाते हैं कि कैसे कलाकार संगीत/दृश्य/नृत्य/मीडिया लिखित सामग्री के निर्माण के लिए तत्वों और सिद्धांतों का उपयोग कर सकते हैं
- बच्चों को परिचित और अपरिचित सांस्कृतिक रूप से निर्मित पाठ के साथ संलग्न होने के लिए अवसर प्रदान करते हैं

*अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:*

**साक्षरता:**

प्रारंभिक वर्षों में साक्षरता में संचार के अनेकानेक साधन शामिल होते हैं, जिसमें संगीत, शारीरिक गतिविधियाँ, नृत्य, कहानी सुनाना, दृश्य कला, मीडिया और नाटक और साथ ही बात करना, पढ़ना और लिखना शामिल है।



## परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं

बच्चे कई प्रकार के मीडिया का उपयोग करके विचारों को व्यक्त करते हैं और अर्थ निकालते हैं

यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:

- भूमिकाओं, स्क्रिप्ट और विचारों की कल्पना करने और उन्हें बनाने के लिए भाषा का उपयोग करते हैं और खेल में संलग्न होते हैं
- अपनी स्वयं की संस्कृति की कहानियों और प्रतीकों को साझा करते हैं और प्रसिद्ध कहानियों को फिर से दुहराते हैं
- विचारों को व्यक्त करने और अर्थ निकालने के लिए रचनात्मक कलाओं का उपयोग करते हैं, जैसेकि चित्रकला, पेंटिंग, मूर्तिकला, नाटक, नृत्य, शारीरिक गतिविधि, संगीत और कहानी सुनाना
- अनेकानेक प्रकार के मीडिया का उपयोग करके विचारों और अर्थ को व्यक्त करने के तरीकों के साथ प्रयोग करते हैं
- अर्थ संप्रेषित करने के लिए छवियों और अक्षरों व शब्दों के अनुमान का उपयोग करना शुरू करते हैं

शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:

- रचनात्मक और अर्थपूर्ण कला के साथ बच्चों के परिवार और समुदाय के अनुभवों पर निर्माण करते हैं
- बच्चों द्वारा दृश्य कलाओं, नृत्य, नाटक और संगीत का उपयोग करते हुए उनको अर्थ व्यक्त करने हेतु सक्षम बनाने के लिए अनेकानेक संसाधन प्रदान करते हैं
- किताबों और अन्य लिखित सामग्री के पठन या चर्चा के दौरान सवाल पूछते हैं और जवाब देते हैं
- बच्चों को छवियों और प्रिंट के साथ प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु संसाधन उपलब्ध कराते हैं
- बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति और संचार की अपनी क्षमता में वृद्धि करने के लिए कुशलताएं और तकनीकें सिखाते हैं
- बच्चों के खेलने में शामिल होते हैं और खेल का विस्तार करने और साक्षरता सीखने को बढ़ाने वाले संकेतों जैसी सामग्री का सह-निर्माण करते हैं
- बच्चों के चित्रों और प्रतीकों का जवाब देते हैं व अर्थ समझाने के क्रम में इस्तेमाल किए गए तत्वों, सिद्धांतों, कुशलताओं और तकनीकों के बारे में बात करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

## परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं

बच्चे प्रतीकों और पैटर्न तंत्रों के काम करने के तरीके को समझना शुरू करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- अर्थ निकालने के लिए और प्रतिनिधित्व करने के लिए खेल में प्रतीकों का उपयोग करते हैं
- अपनी भावनाओं, विचारों, शब्दों और कार्यों व दूसरे लोगों के बीच संबंध बनाना और पैटर्न देखना शुरू करते हैं
- नियमित दिनचर्या और समय के गुजरने के पैटर्न को नोट करते हैं और अनुमान लगाते हैं
- यह समझ विकसित करते हैं कि प्रतीक संचार का एक शक्तिशाली साधन है और विचार, सोच और अवधारणाओं का प्रतिनिधित्व प्रतीकों के माध्यम से किया जा सकता है
- मौखिक, लिखित और दृश्य निरूपणों के बीच संबंधों के बारे में जागरूक होना शुरू करते हैं
- पैटर्न और संबंध और उन दोनों के बीच रिश्ते और जुड़ाव की पहचान करना शुरू करते हैं
- अपनी सामाजिक और प्राकृतिक दुनिया में वस्तुओं और सामग्री के संग्रहों व घटनाओं व विशेषताओं को श्रेणीबद्ध करना, वर्गीकृत करना, व्यवस्थित करना और तुलना करना शुरू करते हैं
- भाषण, कहानियों और कविताओं में ध्वनियों व पैटर्न को सुनते हैं व उनका प्रत्युत्तर देते हैं
- किसी कार्य को पूरा करने के लिए एक दृश्य की स्मृति पर आधार बनाते हैं
- प्रतीकों का उपयोग करके अर्थ के निर्माण में अपने अनुभवों पर आधार बनाते हैं

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- बच्चों के वातावरण में प्रतीकों और पैटर्न के प्रति बच्चों का ध्यान आकर्षित करते हैं और पैटर्न और संबंधों के बारे में बात करते हैं, जिसमें अक्षरों और ध्वनियों के बीच संबंध शामिल हैं
- बच्चों को रोजमर्रा की अनेकानेक सामग्री प्रदान करते हैं जिसका उपयोग वे पैटर्न बनाने के लिए और श्रेणीबद्ध, वर्गीकृत, क्रमागत और तुलना करने के लिए कर सकते हैं
- बच्चों को प्रतीक तंत्रों के बारे में विचार-विमर्श के लिए शामिल करते हैं, उदाहरण के लिए, अक्षर, संख्याएं, समय, पैसे और संगीत संकेतन
- बच्चों को अपनी स्वयं की प्रतीक प्रणालियाँ विकसित करने लिए प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें सांस्कृतिक रूप से निर्मित किए गए प्रतीक तंत्रों का पता लगाने के लिए अवसर प्रदान करते हैं

अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:

**ऑकिक क्षमता:**

में मोटे-तौर पर संख्याओं, पैटर्न, माप, स्थानिक जागरूकता और आँकड़े व साथ ही गणितीय सोच, तर्क और गिनती के बारे में समझ शामिल होती है।

## परिणाम 5: बच्चे प्रभावी संचारक हैं

बच्चे सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके सूचना तक पहुँच प्राप्त करते हैं, विचारों की जांच करते हैं और अपनी सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं

**यह स्पष्ट होता है, उदाहरणार्थ, जब बच्चे:**

- रोजमर्रा की जिंदगी में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की पहचान करते हैं और अपने खेल में प्रॉप्स के रूप में वास्तविक या काल्पनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हैं
- छवियों और जानकारी का उपयोग करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हैं, विभिन्न दृष्टिकोणों का पता लगाते हैं और अपनी दुनिया का अर्थ समझते हैं
- अवरचना करने, चित्र बनाने, परिष्करण करने, चिंतन करने और संपादन करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग उपकरण के रूप में करते हैं
- मनोरंजन और अर्थ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के साथ संलग्न होते हैं।

**शिक्षक इस शिक्षण को बढ़ावा देते हैं, उदाहरणार्थ, जब वे:**

- बच्चों को अनेकानेक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए पहुँच प्रदान करते हैं
- बच्चों के खेलने के अनुभवों और परियोजनाओं में प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करते हैं
- कुशलताएं और तकनीक सिखाते हैं और बच्चों को नई जानकारी का पता लगाने और अपने विचारों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं
- बच्चों के बीच, व बच्चों और शिक्षकों के बीच तकनीकों के बारे में और उनके माध्यम से सहयोगी शिक्षा को प्रोत्साहित करते हैं

*अपने संदर्भ से अपने स्वयं के उदाहरण जोड़ें:*

# पारिभाषिक शब्दावली

**सक्रिय शिक्षण पर्यावरण:** एक सक्रिय सीखने के माहौल में बच्चों को पता लगाने और अपने अनुभवों, सामाजिक संबंधों और दूसरों के साथ बातचीत के माध्यम से अर्थ और ज्ञान बनाने (या निर्माण करने) के लिए पर्यावरण के साथ व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। एक सक्रिय सीखने के माहौल में शिक्षक बच्चों को गहरे अर्थ की खोज करने और विचारों के बीच में और अवधारणाओं, प्रक्रियाओं और निरूपणों के बीच संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके लिए शिक्षकों को बच्चों की भावनाओं और सोच के साथ संलग्न होने की आवश्यकता होती है। *(दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई पाठ्यचर्या मानकों और प्रत्युत्तरशीलता (एसएसएसएस) फ्रेमवर्क, सामान्य परिचय, pp10 और 11 से अनुकूलित)।*

**एजेंसी:** विकल्प और निर्णय लेने, घटनाओं को प्रभावित करने और अपनी दुनिया पर एक प्रभाव डालने की क्षमता।

**अभ्यस्तता:** "अभ्यस्तता में संलग्नता के क्षणों में मनोस्थितियों का संरेखण करना शामिल है, जिसके दौरान चेहरे की अभिव्यक्ति, ध्वनिकरणों, शारीरिक संकेतों और आँख के संपर्क के साथ प्रभाव संचारित किया जाता है।" (सीगल, 1999)।

**बच्चे:** जब तक अन्यथा न इंगित किया जाए, इससे तात्पर्य शिशुओं, छोटे बच्चों और तीन से पांच वर्ष के बच्चों से है।

**सामुदायिक सहभागिता:** समुदायों में योगदान करने के लिए एक सक्रिय भूमिका लेना।

**सह-निर्माण:** जब बच्चे साझेदारी में काम करते हुए शिक्षकों और अन्य बच्चों के साथ व्यवहार करते हैं, तब वे सीखते हैं।

**समुदाय:** एक सामान्य प्रयोजन, विरासत, अधिकारों और जिम्मेदारियों और/या अन्य जुड़ावों को साझा करने वाला सामाजिक या सांस्कृतिक समूह या नेटवर्क। 'समुदाय' का प्रयोग विभिन्न चीजों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, उदाहरण के लिए, प्रारम्भिक बचपन सेटिंग में समुदाय के लिए, विस्तारित रिश्तेदारियों के लिए, स्थानीय भौगोलिक समुदाय के लिए और व्यापक ऑस्ट्रेलियाई समाज के लिए।

**महत्वपूर्ण चिंतन:** समानता और सामाजिक न्याय के लिए निहितार्थ पर ध्यान देने वाली चिंतनशील प्रथाएं।

**पाठ्यक्रम:** प्रारम्भिक बचपन सेटिंग्स में पाठ्यक्रम का अर्थ है - 'बच्चों की शिक्षा और विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए किसी वातावरण में होने वाले सभी नियोजित और अनियोजित संपर्क, अनुभव, गतिविधियां, चर्याएं और घटनाएं'। [ते व्हारिकी से अनुकूलित]।

**स्वभाव:** मन और कार्य-कलापों की स्थाई आदतें, और परिस्थितियों के प्रति विशिष्ट तरीके से प्रतिक्रिया करने के लिए प्रवृत्तियां, उदाहरण के लिए, एक आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखना, दृढ़ रहने के लिए तैयार होना, आत्म-विश्वास के साथ नए अनुभवों का सामना करना।

**प्रारम्भिक बचपन सेटिंग्स:** दिन-भर की देखभाल, सामयिक देखभाल, पारिवारिक दिवसकालीन देखभाल, बहु प्रयोजनीय आदिवासी बच्चों की सेवाएं, प्रिस्कूल और किंडरगार्टेन्स, प्लेगुप्स, क्लेश, शीघ्र हस्तक्षेप सेटिंग्स और समान सेवाएं।

**शिक्षक:** प्रारम्भिक बचपन सेटिंग्स में बच्चों के साथ सीधे काम करने वाले प्रारम्भिक बचपन के व्यावसायिक।

**समावेशन:** इसमें पाठ्यक्रम में सभी बच्चों की सामाजिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता (शिक्षण-शैलियों, योग्यताओं, विकलांगताओं, लिंग, परिवार के हालात और भौगोलिक स्थान सहित) को ध्यान में रखकर निर्णय लेने की प्रक्रिया शामिल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चों के अनुभवों को मान्यता और मूल्य दिया जाए। इसका उद्देश्य यह भी सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चों को संसाधनों और भागीदारी के न्यायोचित उपयोग के लिए पहुँच, और अपने सीखने का प्रदर्शन करने के लिए और विविधता को मूल्य देने के लिए अवसर प्राप्त हों।

**साभिप्राय शिक्षण:** में शिक्षक अपने निर्णयों और कार्य-कलापों में साभिप्राय-सहित, उद्देश्यपूर्ण और विचारशील होते हैं। साभिप्राय शिक्षण रटने के विपरीत है या परंपराओं के साथ जारी रखने के विपरीत है, क्योंकि पहले से 'हमेशा' ऐसे ही किया जाता रहा है।

**भागीदारी:** एकाग्रता और आंतरिक प्रेरणा की विशेषता के साथ पूरे मन से की गई एक तीव्र मानसिक गतिविधि होती है। अत्यधिक भागीदार बच्चे (और वयस्क) अपनी क्षमताओं की सीमा पर काम करते हैं, जिससे कि वे बदलते हुए स्तर पर प्रत्युत्तर देते हैं व समझते हैं और गहरे स्तर पर सीख पाते हैं (Laevers, 1994 से अनुकूलित)।

बच्चों की भागीदारी उनके चेहरे, मुखर और भावनात्मक अभिव्यक्ति, ऊर्जा, ध्यान और दिखाई गई देखभाल तथा उस रचनात्मकता और जटिलता से पहचानी जा सकती है जो वे परिस्थिति में लाते हैं। (Laevers) A state of flow Csikszentmihalyi cited in Reflect, Respect, Relate (DECS 2008).

**सीखना:** अन्वेषण की वह प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसमें बच्चे जन्म से लेकर अपनी बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक और रचनात्मक क्षमता का विस्तार करने के लिए संलग्न होते हैं। जल्दी सीखना प्रारंभिक विकास के साथ निकटता से जुड़ा हुआ होता है।

**सीखने का ढाँचा:** बच्चों की शिक्षा के लिए सामान्य लक्ष्यों या परिणामों को उपलब्ध कराने वाली और उन्हें प्राप्त करने में सहायता देने के लिए एक निर्देशिका। यह अपने स्वयं के, और अधिक विस्तृत पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए प्रारम्भिक बचपन सेटिंग्स की मदद के लिए एक सहायता भी उपलब्ध कराता है।

**शिक्षण के परिणाम:** एक ऐसा कौशल, ज्ञान या स्वभाव जिसका प्रचार शिक्षक बच्चों और परिवारों के साथ सहयोग से प्रारम्भिक बचपन की सेटिंग्स में सक्रिय रूप से कर सकते हैं।

**सीखने के संबंध:** ऐसे संबंध जो बच्चों की शिक्षा और विकास को आगे ले जाते हैं। वयस्क और बच्चे, दोनों एक दूसरे से सीखने की मंशा रखते हैं।

**साक्षरता:** प्रारंभिक वर्षों में साक्षरता में संगीत, शारीरिक गतिविधियाँ, नृत्य, कहानी सुनाना, दृश्य कला, मीडिया और नाटक, व साथ ही बात करना, पढ़ना और लिखना जैसे अनेकानेक संचार के साधन शामिल होते हैं।

**औकिक क्षमता:** में मोटे-तौर पर संख्याओं के बारे में समझ, पैटर्न, माप, स्थानिक जागरुकता और डेटा, तथा इसके साथ ही गणितीय सोच, तर्क और गिनती भी शामिल है।

**शिक्षण:** बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य वाले कार्य-कलाप।

**शिक्षा-शास्त्र:** प्रारम्भिक बचपन के शिक्षकों का पेशेवर अभ्यास, विशेष रूप से जिसमें संबंधों के निर्माण और पोषण, पाठ्यक्रम से संबंधित निर्णय लेने, शिक्षण और सीखने के पहलू शामिल होते हैं।

**खेल-आधारित शिक्षण:** सीखने के लिए एक संदर्भ, जिसके माध्यम से बच्चे लोगों, वस्तुओं और प्रतिनिधित्वों के साथ सक्रिय रूप से संलग्न होते समय अपनी सामाजिक दुनिया को व्यवस्थित करने व उसकी समझ बनाने के लिए प्रयास करते हैं, ।

**कर्मकर्ता क्षमता:** अपने अनुभवों, हितों और विश्वासों के प्रति बच्चों की बढ़ती हुई जागरुकता, जोकि उनकी समझ को आकार देती है।

**समर्थन:** शिक्षकों के निर्णय और कार्य-कलाप, जो बच्चों के मौजूदा ज्ञान और उनका सीखने बढ़ाने के लिए कुशलताओं पर निर्माण करते हैं।

**आध्यात्मिकता:** विस्मय और आश्चर्य की भावना, और जीवन जीने और जानने के एक अन्वेषण सहित मानव अनुभवों की एक श्रृंखला को दर्शाती है।

**प्रौद्योगिकियाँ:** इनमें कंप्यूटर और सूचना, संचार और मनोरंजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिजिटल तकनीकों की तुलना में और भी बहुत कुछ शामिल है। प्रौद्योगिकियाँ वे विविध अनेकानेक उत्पाद होती हैं, जो इस अवरचित दुनिया को बनाती हैं। ये उत्पाद लोगों द्वारा डिज़ाइन और विकसित की गई भौतिक वस्तुओं से कहीं बढ़-चढ़कर प्रक्रियाओं, प्रणालियों, सेवाओं और वातावरण को भी शामिल करते हैं।

**लिखित सामग्री:** वे चीजें जिन्हें हम पढ़ते, देखते और सुनते हैं और जिन्हें हम अर्थ साझा करने के क्रम में बनाते हैं। लिखित सामग्री प्रिंट पर आधारित हो सकती है, उदाहरणार्थ पुस्तकें, पत्रिकाएं और पोस्टर, या स्क्रीन-आधारित हो सकती हैं, उदाहरण के लिए इंटरनेट साइटें और डीवीडी। कई लिखित सामग्रियाँ बहुविध होती हैं, जो चित्रों, लिखित शब्दों और/या ध्वनि को एकीकृत करती हैं।

**संक्रमण:** घर और बचपन की सेटिंग, एक प्रारम्भिक बचपन सेटिंग से दूसरी सेटिंग, या बचपन की सेटिंग से पूर्णकालिक स्कूल के बीच पारक्रमण करने की प्रक्रिया।

**कल्याण:** सुदृढ़ कल्याण बुनियादी आवश्यकताओं की संतुष्टि का परिणाम होता है - कोमलता और स्नेह, सुरक्षा और स्पष्टता, सामाजिक मान्यता व सक्षम महसूस करने की आवश्यकता; शारीरिक आवश्यकताओं और जीवन में अर्थ ढूँढने की आवश्यकता (Laevers 1994 से अनुकूलित)। इसमें खुशी और संतुष्टि, प्रभावी सामाजिक कार्य-कलाप और आशावाद, खुलेपन, जिज्ञासा और लचीलेपन के स्वभाव शामिल हैं।



# BIBLIOGRAPHY

- Bailey, D. B. (2002). Are critical periods critical for early childhood education? The role of timing in early childhood pedagogy. *Early Childhood Research Quarterly*, 17, 281-294.
- Brooker, L., & Woodhead, M. (Eds.). (2008). *Developing positive identities*. Milton Keynes: The Open University.
- Fleer, M., & Raban, B. (2005). *Literacy and numeracy that counts from birth to five years: A review of the literature*. Canberra: Department of Education, Science and Training.
- Carr, M. (2001). *Assessment in early childhood settings: learning stories*. London: Paul Chapman.
- Department of Education and Children's Services (2008). *Assessing for Learning and Development in the Early Years using Observation Scales: Reflect Respect Relate*, Adelaide: DECS Publishing.
- Department of Education Training and Employment (2001). *South Australian Curriculum, Standards and Accountability Framework*, Adelaide: DETE Publishing.
- Gammage, P. (2008). *The social agenda and early childhood care and education: Can we really help create a better world?* Online Outreach Paper 4. The Hague: Bernard van Leer Foundation.
- Grieshaber, S. (2008). Interrupting stereotypes: Teaching and the education of young children. *Early Education and Development*, 19(3), 505-518.
- Hertzman, C. (2004). *Making early child development a priority: Lessons from Vancouver*. Ottawa: Canadian Centre for Policy Alternatives.
- Laevers, F. (1994). Defining and assessing quality in Early Childhood education. *Studia Paedagogica*. Leuven: Leuven University Press.
- Lally, R. (2005). The human rights of infants and toddlers: A comparison of childcare philosophies in Europe, Australia, New Zealand and the United States. *Zero to Three* 43-46.
- Mac Naughton, G. (2003). *Shaping early childhood: Learners, curriculum and contexts*. Maidenhead: Open University Press.
- Martin, K. (2005). Childhood, lifehood and relatedness: Aboriginal ways of being, knowing and doing. In J. Phillips & J. Lampert (Eds.), *Introductory indigenous studies in education: The importance of knowing* (pp. 27-40). Frenches Forest, Sydney: Pearson Education Australia.
- Ministry of Education, (1996). *Te Whāriki: He Whāriki Mātauranga mō ngā Mokopuna o Aotearoa/Early Childhood Curriculum*. Wellington: Learning Media.
- Moss, P. (2006). Early childhood institutions as loci of ethical and political practice. *International Journal of Educational Policy, Research and Practice: Reconceptualizing Childhood Studies*, 7, 127-136.
- OECD. (2006). *Starting Strong II: Early Childhood Education and Care*: OECD.
- Petrie, P., Boddy, J., Cameron, C., Heptinstall, E., McQuail, S., Simon, A., et al. (2008). *Pedagogy - A holistic, personal approach to work with children and young people, across services*. London: Thomas, Coram Research Unit, Institute of Education, University of London.
- Queensland Department of Education, Training and the Arts, 2008, *Foundations for Success - Guidelines for Learning Program in Aboriginal and Torres Strait Communities*, Queensland Government.
- Queensland Studies Authority. (2006). *Queensland early years curriculum guidelines*. Brisbane: The State of Queensland.
- Rogoff, B. (2003). *The cultural nature of human development*. Oxford: Oxford University Press.
- Shonkoff, J., & Phillips, D. K. (2000). *From neurons to neighbourhoods: The science of early childhood development*. Washington, DC: National Academies Press.
- Siegel DJ, 1999:88, *Developing Mind*, Guilford Press, New York.
- Siraj-Blatchford, I., & Sylva, K. (2004). Researching pedagogy in English pre-schools *British Educational Research Journal*, 30(5), 712-730.
- Sylva, K., Melhuish, E., Sammons, P., Siraj-Blatchford, I., & Taggart, B. (2004). *The Effective Provision of Pre-school Education: The final report*. London: DfES Sure Start Publications & The Institute of Education.
- Uprichard, E. (2007). Children as 'being and becoming': Children, childhood and temporality. *Children & Society*, 22, 303-313.
- Wood, E. (2007). New directions in play: Consensus or collision. *Education 3-13*, 35(4), 309-320.
- Woodhead, M., & Brooker, L. (2008). A sense of belonging. *Early Childhood Matters* (111), 3-6.

